उल्लास

प्रवेशिका
संक्षिप्त संस्करण





राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

उल्लास ULLAS

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम
NEW INDIA LITERACY PROGRAMME



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

उल्लास ULLAS

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम
NEW INDIA LITERACY PROGRAMME

उल्लास

प्रवेशिका

संक्षिप्त संस्करण



सा विद्या या विमुक्तये

SCERT UK

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखंड
State Council of Educational Research and Training Uttarakhand


साक्षर बन रहा हूँ,
बहुत कुछ सीख गया हूँ।
'डिजिटल पेमेंट' का फायदा,
मैं भी समझ गया हूँ।
Paytm
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
उल्लास ULLAS
नव भारत साक्षरता कार्यक्रम
NEW INDIA LITERACY PROGRAMME


पाएँ जीवन में शिक्षा,
पूरी करें हर इच्छा।
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
उल्लास ULLAS
नव भारत साक्षरता कार्यक्रम
NEW INDIA LITERACY PROGRAMME

आमुख

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य 15 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले उन सभी के लिए पढ़ने-लिखने के अवसर उपलब्ध करवाना है जो किन्हीं कारणों से साक्षरता और संख्या-ज्ञान अर्जित नहीं कर सके। इस संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं के क्रियान्वयन के लिए 1 अप्रैल 2022 से भारत सरकार द्वारा *नव भारत साक्षरता कार्यक्रम* (जिसका लोकप्रिय नाम ***उल्लास*** है) का प्रारंभ किया गया है जिसमें प्रौढ़ शिक्षा के सभी पक्ष शामिल हैं। इस योजना का उद्देश्य बुनियादी साक्षरता और संख्या-ज्ञान, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल, बुनियादी शिक्षा और सतत शिक्षा का विकास है।

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के दस्तावेज़ में यह उल्लिखित है कि 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में अ-साक्षरों की कुल संख्या 25.76 करोड़ (पुरुष 9.08 करोड़, महिला 16.68 करोड़) है। 2009-10 से 2017-18 के दौरान साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत साक्षर के रूप में प्रमाणित व्यक्तियों की 7.64 करोड़ की प्रगति को ध्यान में रखते हुए, यह अनुमान लगाया गया है कि वर्तमान में भारत में लगभग 18.12 करोड़ वयस्क अभी भी अ-साक्षर हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वर्ष 2030 तक 100% साक्षरता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करती है और एनसीईआरटी में राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र की स्थापना की अनुशंसा करती है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर अनेक प्रयास सतत जारी हैं।

शिक्षार्थी अपने जीवन के अलग-अलग संदर्भों में अपनी भाषा या भाषाओं का मौखिक प्रयोग भी करते हैं और गणितीय समझ के साथ अपने-अपने कार्यों में लेन-देन भी करते हैं। इन्हें केवल पढ़ने-लिखने और संख्या ज्ञान सीखने की आवश्यकता है जिससे गुणवत्तापूर्ण एवं गरिमामय जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय के '***नव भारत साक्षरता कार्यक्रम***' के अंतर्गत अ-साक्षर शिक्षार्थियों के लिए ***उल्लास*** प्रवेशिका (संक्षिप्त संस्करण) का निर्माण किया गया है। यह प्रवेशिका *उजास* प्रवेशिका(चार भाग) का संक्षिप्त संस्करण है। यह प्रवेशिका समेकित रूप में बनाई गई है, जिसमें भाषा और गणित दोनों शामिल हैं। विषय सामग्री के रूप में 7 विषय (थीम) तय किए गए हैं जो आमतौर पर हमारे आस-पास दिखाई देते हैं। ये विषय - 'परिवार और पड़ोस', 'बातचीत', 'हमारा रहन-सहन', 'हमारे आस-पास', 'खान-पान और सेहत', 'मतदान' और 'कानूनी जानकारी' हैं। शिक्षार्थियों के पढ़ने-लिखने और संख्या ज्ञान सीखने में मदद के लिए एक मार्गदर्शिका का भी निर्माण किया गया है। यह मार्गदर्शिका स्वयंसेवी शिक्षकों/शिक्षकों द्वारा उपयोग में लाई जाएगी जो शिक्षार्थियों को सीखने में मदद करेगी। प्रवेशिका और मार्गदर्शिका में दिए गए बिंदु सुझाव के तौर पर हैं। शिक्षार्थियों के स्तर, क्षमता, आवश्यकताओं और स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए इनमें आवश्यकतानुसार बदलाव किया जा सकता है।

प्रवेशिका में शामिल बुनियादी साक्षरता और संख्या-ज्ञान संबंधी शिक्षण-बिंदुओं को केंद्र में रखते हुए शिक्षार्थियों/स्वयंसेवी शिक्षकों के लिए सभी विषयों(थीम) के आधार पर अभ्यास पत्र और ऑनलाइन मॉड्यूल या वीडियो कार्यक्रमों का भी निर्माण किया गया है। ऑनलाइन मॉड्यूल या वीडियो कार्यक्रम दीक्षा (DIKSHA) पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इनकी सहायता से शिक्षार्थियों को सीखने-सिखाने में मदद मिलेगी।

परिषद् इस प्रवेशिका (संक्षिप्त संस्करण) के निर्माण में शामिल सभी विषय-विशेषज्ञों और परिषद् के संकाय

सदस्यों व परियोजना-कर्मियों के अथक परिश्रम के लिए आभार व्यक्त करती है। साथ ही उन सभी रचनाकारों, संस्थाओं के प्रति भी आभारी है जिन्होंने अपनी सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। इस प्रवेशिका को और अधिक बेहतर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

सितंबर, 2023
नयी दिल्ली

दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनसुंधान और प्रशिक्षण परिषद्
नयी दिल्ली

प्रस्तावना

साक्षर होना, पढ़ना-लिखना और संख्या-ज्ञान सीखना हर व्यक्ति की एक बुनियादी आवश्यकता है, जो गरिमामय जीवन जीने में सहायता करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं के क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार द्वारा नव भारत साक्षरता कार्यक्रम योजना प्रारंभ की गई है जिसका लोकप्रिय नाम ***'उल्लास'(ULLAS-Understanding lifelong Learning for All in Society)*** है - ***समाज में सभी के लिए आजीवन सीखने की समझ***। इस योजना का उद्देश्य है– 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वाले वयस्कों को इस रूप में साक्षर करना कि वे एक सशक्त व्यक्तित्व बन सकें और समाज के विकास में अपना योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में मुख्य रूप से पाँच घटक सम्मिलित हैं -1) बुनियादी साक्षरता और संख्या-ज्ञान, 2) महत्वपूर्ण जीवन कौशल, 3) बुनियादी शिक्षा, 4) व्यावसायिक कौशल, 5) सतत शिक्षा। अ-साक्षर शिक्षार्थियों को बुनियादी साक्षरता और संख्या-ज्ञान सिखाने के लिए एक संक्षिप्त प्रवेशिका का निर्माण किया गया है, जिसका नाम है - *उल्लास।* यह प्रवेशिका समेकित रूप में बनाई गई हैं, जिसमें भाषा और गणित दोनों शामिल हैं। यह प्रवेशिका भाषा और गणित संबंधी सीखने के प्रतिफलों पर आधारित है। इस प्रवेशिका में विषय सामग्री के रूप में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो किसी भी वयस्क के जीवन से जुड़े हुए हैं। ये विषय हैं – परिवार और पड़ोस, बातचीत, रहन-सहन, आस-पास का परिवेश, खान-पान और सेहत, मतदान, कानूनी जानकारी , समय, डिजिटल अंक, बैंक, कैलेंडर, पर्यावरण और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता आदि। उल्लास प्रवेशिका में इन्हीं विषयों में भाषा की कुशलताएँ और गणितीय अवधारणाओं को एक साथ लिया गया है। उदाहरण के लिए 'परिवार और पड़ोस' पाठ में दिए गए बड़े आकार के चित्र के माध्यम से हिंदी भाषा के परिचित शब्दों की पहचान, शब्द पढ़ना और अक्षर-पहचान (अ आ न प स र व) तथा गणित में 1 से 20 तक की संख्याओं की पहचान करना, पढ़ना और लिखना सिखाने का प्रयास किया गया है। इसी प्रकार से 'मतदान' पाठ में हिंदी भाषा के अक्षर (क्ष घ ध ढ ढ़), शब्द, वाक्य एवं गणित में समय देखना और उसका उपयोग करना (12 और 24 घंटे वाली घड़ी), कैलेंडर, समय-सारणी, रेल टिकट पर दी गई सूचनाओं की समझ बनाना, डिजिटल अंकों की पहचान करना और लिखना सिखाने का प्रयास किया गया है। इस प्रकार उल्लास प्रवेशिका हिंदी भाषा और गणित को एक साथ संबोधित करती है। स्वयंसेवी शिक्षक स्वयं भी सीखने के प्रतिफलों को ध्यान में रखते हुए अपने आस-पास उपलब्ध अन्य प्रकार की सामग्री का भी प्रयोग कर सकते हैं।

हमें विश्वास है कि यह सामग्री पढ़ना-लिखना और गणित सीखने में अ-साक्षर शिक्षार्थियों के लिए सहायक होगी पढ़ना-लिखना, गणित सीखने में सहायक होगी।

सामग्री के संवर्धन के लिए आप सभी के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

नवंबर, 2023
नयी दिल्ली

उषा शर्मा
प्रोफेसर एवं प्रभारी
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ
एनसीईआरटी

अपनी बात

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं को ध्यान में रखते हुए 01 अप्रैल, 2022 से भारत सरकार द्वारा नवभारत साक्षरता कार्यक्रम उल्लास प्रारंभ किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से असाक्षरों को बुनयादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के अलावा उनमें महत्वपूर्ण जीवन कौशल जैसे वित्तीय साक्षरता डिजिटल साक्षरता, वाणिज्यिक कौशल, स्वास्थ्य देखभाल और जागरुकता, शिशु देखभाल तथा परिवार कल्याण, व्यावसायिक कौशल और कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संस्कृत, खेल, मनोरंजन आधारित सतत् शिक्षा का विकास करना है।

इसी के दृष्टिगत एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा, भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत असाक्षर शिक्षार्थियों के लिए 'उल्लास' प्रवेशिका संक्षिप्त संस्करण विकसित की गई है। यह उजास प्रवेशिका के चारों भागों का समेकन है जिसमे भाषा एवं गणित दोनों शामिल हैं। इसमें विषय सामग्री के रुप में परिवार और पड़ोस, बातचीत, हमारा रहन सहन, हमारे आस-पास, खान-पान और सेहत, मतदान, कानूनी जानकारी के रुप में 7 अध्याय शामिल किए गए है।

'उल्लास' प्रवेशिका संक्षिप्त संस्करण में शामिल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान संबंधी शिक्षण बिन्दुओं को शिक्षार्थियों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों तक ऑनलाइन माध्यम से पहुँचाने के लिए इन्हें दीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य के विशिष्ट भौगोलिक और सांस्कृतिक पक्षों को ध्यान में रखते हुए इस उल्लास प्रवेशिका में निहित सामग्री का राज्य के परिप्रेक्ष्य में अनुकूलन किया गया है। इस कार्य हेतु परिषद् राष्ट्रीय साक्षरता केन्द्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली, राज्य के शिक्षक-प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करती है साथ ही परिषद् उन सभी रचनाकारों, संस्थाओं के प्रति भी कृतज्ञ है जिनकी सामग्री/रचनाओं को इन प्रवेशिकाओं में स्थान दिया गया है।

मुझे आशा है कि उत्तराखण्ड राज्य के परिप्रेक्ष्य में अनुकूलित उल्लास प्रवेशिका के माध्यम से लाभार्थियों में मूलभूत निर्धारित कौशलों का विकास होगा।

(बन्दना गर्ब्याल)
निदेशक
अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण
उत्तराखण्ड देहरादून

अपर निदेशक की कलम से

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत 15 वर्ष या इससे अधिक आयु वाले उन शिक्षार्थियों को साक्षर बनाया जाना है जो अक्षर ज्ञान तो नहीं रखते हैं किन्तु उनके पास जीवन रुपी पाठशाला का वृहद अनुभव है। इनमें से कुछ शिक्षार्थी ऐसे भी हो सकते हैं जो विभिन्न व्यवसायों से जुड़ें होने के नाते उस व्यवसाय के संबंध में ज्ञान और कौशल रखते हैं। इसलिए ऐसे असाक्षर शिक्षार्थियों की शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया बच्चों के लिए प्रयुक्त प्रक्रिया से अलग होगी।

राष्ट्रीय साक्षरता केन्द्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा विकसित उल्लास प्रवेशिका संक्षिप्त संस्करण को आधार मानते हुए असाक्षरों के लिए प्रयुक्त शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा उनके जीवन, व्यवसाय से जुड़े उदाहरणों का समावेश करना होगा। प्रौढ़ मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए मित्रतापूर्ण वातावरण में उनके अनुभवों को साझा करने के पर्याप्त अवसर देने होंगे। उनके द्वारा अपने दैनिक व्यवहार में प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को महत्व दिया जाना होगा जिससे वे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ सकें।

यह प्रवेशिका सामाजिक चेतना केन्द्रों में वयस्क शिक्षार्थियों हेतु शिक्षण कार्य प्रभावी रूप से संचालित किया जाएगा। राष्ट्रीय साक्षरता केन्द्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली एवं राज्य साक्षरता प्रकोष्ठ, एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखण्ड द्वारा विकसित अध्ययन सामग्री दीक्षा पोर्टल पर उपलब्ध करा दी गई है जिसे लाभार्थियों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा अपनी आवश्यकतानुसार उपयोग में लाया जा सकता है।

उत्तराखण्ड राज्य के विशिष्ट भौगोलिक और सांस्कृतिक पक्षों को ध्यान में रखते हुए उल्लास प्रवेशिका में निहित सामग्री का राज्य के परिप्रेक्ष्य में अनुकूलन किया गया है। इस क्रम में उल्लास प्रवेशिका में कुमाऊनी, गढ़वाली इत्यादि के संदर्भों को समावेशित किया गया है। उत्तराखंड राज्य में प्रचलित त्यौहार, अनाज, फल, मिठाई, शहर, रेलगाड़ी, इत्यादि को प्रवेशिका में स्थान दिया गया है।

मुझे आशा है कि उत्तराखण्ड राज्य के परिप्रेक्ष्य में अनुकूलित इस विषय सामग्री के माध्यम से लाभार्थियों में मूलभूत निर्धारित कौशलों का विकास होगा।

(अजय कुमार नौडियाल)
अपर निदेशक
एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखण्ड
देहरादून

स्वयंसेवी शिक्षकों से दो बातें

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत 'सभी के लिए शिक्षा' (पूर्व में 'प्रौढ़ शिक्षा) की अनुशंसाओं के क्रियान्वयन हेतु **'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम'** में राष्ट्रीय स्तर पर विविध प्रकार की शैक्षणिक सामग्री के निर्माण का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 मुख्य घटक के रूप में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या-ज्ञान पर बल देते हुए शिक्षार्थियों के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण जीवन कौशलों पर विशेष ध्यान केंद्रित करती है। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में दिए गए दिशा-निर्देशों को पूरा करने के लिए 'उल्लास' (ULLAS) को एक ऐसे माध्यम के रूप में देखा जा रहा है जो शिक्षार्थियों के पढ़ना-लिखना सीखने के लिए अनेक संभावनाओं के द्वार खोलता है। इसी बिंदु को ध्यान में रखते हुए 'उल्लास' प्रवेशिका (संक्षिप्त रूप) का निर्माण किया गया है जो बुनियादी साक्षरता एवं संख्या-ज्ञान से संबंधित सीखने के प्रतिफलों को प्राप्त करने में सहायक है। इसमें पढ़ना और लिखना साथ-साथ होता है यानी भाषा और गणित एकीकृत रूप में चलती है। सात अध्यायों मे विभाजित इस *उल्लास* प्रवेशिका में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के साथ-साथ जीवन के महत्वपूर्ण कौशलों, जैसे – स्वास्थ्य, मतदान, कानूनी जानकारी, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, लोक जीवन आदि को स्थान दिया गया है।

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान सभी के लिए शिक्षा (प्रौढ़ शिक्षा) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका उद्देश्य 15 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु वाले उन शिक्षार्थियों को साक्षर बनाना है जो शिक्षित तो हैं लेकिन अक्षर ज्ञान से वंचित हैं यानी वे असाक्षर हैं। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत पढ़ने-लिखने व संख्या ज्ञान के कौशल को हमें उन शिक्षार्थियों तक लेकर जाना है जो किन्हीं कारणों से स्कूल नहीं जा पाए और शिक्षा से दूर रहे। ये वे शिक्षार्थी भी हो सकते हैं जो किसी की मदद से थोड़ा बहुत पढ़ना जानते हों इसलिए पढ़ने-पढ़ाने की इस प्रक्रिया में हमारे शिक्षार्थी अलग-अलग स्तर पर हो सकते हैं।

यह ध्यान में रखने की बात है कि ये शिक्षार्थी समझदार हैं, जीवन का एक लंबा अनुभव रखते हैं और शायद कुशल कारीगर भी हों। संभव है कि ये शिक्षार्थी कामकाजी हों या किसी प्रकार के श्रम द्वारा आजीविका चलाते हों। ये घर और घर के बाहर की ज़िम्मेदारियाँ उठाने वाले व्यक्ति भी होंगे। हमारा उद्देश्य यह है कि हम उनके जीवन को साक्षरता की लौ से प्रकाशवान करें और उनके जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने में सहयोग करें। वे पढ़ने-लिखने और गणित की समझ के द्वारा अपने अनुभवों से ज़्यादा सीख पाएँ, सोच और समझ के दायरे को अधिक गहन एवं विस्तृत कर पाएँ। साथ ही वे अपनी क्षमताओं का विकास व पूर्ण प्रयोग अपने जीवन को बेहतर बनाने में कर पाएँ जिससे देश व समाज का उत्थान भी हो पाए।

शिक्षार्थियों को पढ़ना-लिखना सिखाने के दौरान यह ध्यान रखें कि –

- इस प्रवेशिका का उद्देश्य बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान से शिक्षार्थियों को अवगत कराना है। साथ ही उन्हें इस ज्ञान से जोड़ना है।

- ये शिक्षार्थी 15 वर्ष अथवा उससे ऊपर की आयु के हैं जिनके पास अनुभव का भंडार है। यह भी संभव है कि उनके पास हमसे अधिक अनुभवों का भंडार हो। इसलिए उनके अनुभवों का सम्मान करें, उन्हें आदर दें और उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुनें।

- वे अपने रोज़मर्रा के कार्य स्वयं व अपने ढंग से कर लेते हैं इसलिए उनकी कार्य कुशलता की सराहना अवश्य करें।

- ध्यान रखें कि वे पढ़ने-लिखने की प्रक्रिया में तभी ध्यानपूर्वक जुड़ पाएँगे जब उन्हें पढ़ना उपयोगी लगेगा। इसलिए पूरी तैयारी के साथ पढ़ाएँ और ज़्यादा से ज़्यादा उनके जीवन से जुड़े अनुभवों को उदाहरण की तरह समझाने में इस्तेमाल करें।

- ये शिक्षार्थी हिंदी भाषा सुनने और बोलने में सक्षम हैं, वे इस भाषा का प्रयोग अपनी बोलचाल में करते हैं। इसलिए ध्यान रखें कि इस भाषा ज्ञान का प्रयोग कर हम उन्हें पढ़ने-लिखने के मौके दें। हो सकता है शिक्षार्थी के पास गणित का मौखिक प्रयोग करने की कुशलता और गणना करने के अनौपचारिक तरीके तो हों लेकिन उन्हें अंकों की पहचान न हो और गणितीय समस्याओं को हल करने में कठिनाई होती हो। आपको उन्हें अंक-ज्ञान से जोड़ना है - उनकी गणितीय समझ को बनाते और बढ़ाते हुए।

- पाठों को चित्रों, कहानियों, पोस्टर आदि के द्वारा पढ़ाने का प्रयास करें। चित्र पठन, पोस्टर पढ़ना व अनुमान लगाना, चित्रों को देखकर उसके नीचे लिखे शब्दों को अनुमान लगाकर पढ़ना, पढ़ना सीखने-सिखाने के तरीके हैं, चित्रों का भरपूर प्रयोग करें। चित्रों में एक वस्तु भी हो सकती है और एक पूरी प्रक्रिया या घटना भी। आवश्यकता के अनुसार चित्रों का इस्तेमाल विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जैसे- चित्र पर बातचीत की जा सकती है, चित्र में उपलब्ध/दी गई वस्तु/घटना पर चर्चा की जा सकती है, चित्र द्वारा अनुमान लगाकर कोई कहानी बनाई/बनवाई जा सकती है। प्रवेशिका में भी चित्र देखकर अनुमान लगाकर पढ़ने के अवसर दिए गए हैं, जैसे- मकान का चित्र देखकर *मकान* शब्द का अनुमान लगाना और पढ़ना, परिवार के लोगों का चित्र देखकर *परिवार* शब्द का अनुमान लगाना और पढ़ना आदि।

बुनियादी साक्षरता-

- हमारे शिक्षार्थियों का शब्द-भंडार वृहद है, इसलिए आपको इसका इस्तेमाल करते हुए उन्हें पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करनी होगी। इसके लिए हम व्यक्ति/वस्तुओं के नामों द्वारा उनमें आए अक्षर व शब्दों की पहचान करने पर बल देंगे।

• हम भाषा को पूर्णरूप में बोलते और सीखते हैं, टुकड़ों में नहीं। शब्दों को तोड़कर या जोड़कर पढ़ना-लिखना नहीं सिखाया जा सकता है। इसलिए पढ़ना-लिखना सिखाने के दौरान यह याद रखें कि शब्दों और वाक्यों की मदद से अक्षर की पहचान करवाने व शब्दों को पढ़वाने का काम किया जाए। जैसे 'म' अक्षर की समझ बनाने के लिए वे शब्द जिनमें इस अक्षर का प्रयोग हुआ है उन्हें दिखाना और पढ़वाना, जैसे- *आम, माला, माचिस, टमाटर* आदि।

• भाषा एक संदर्भ (Context) में अपनी समझ बनाती है। भाषा में संदर्भ के साथ ही लिखना-पढ़ना सिखाया जाए। बिना संदर्भ के भाषा का अर्थपूर्ण होना संभव नहीं है, जैसे – *हल* शब्द का अकेले प्रयोग हो तो यह समझने में मुश्किल है कि हम औज़ार की बात कर रहे हैं या किसी प्रश्न के जवाब की। वहीं वाक्य में इसका प्रयोग (जैसे-मेरी पहेली का हल मुझे मिल गया) इसके अर्थ की सटीकता व सही समझ बनाने में पढ़ने वाले की मदद करता है। वर्णमाला के द्वारा भी अक्षर ज्ञान व अक्षर की समझ को विकसित करवाने का काम किया जा सकता है पर पहले अक्षरों को शब्दों में दिखाकर, बोलकर बताया जाए और पहचान करवाई जाए। उसके बाद ही वर्णमाला द्वारा पहचान को और मज़बूत किया जाए। इससे भाषा का शब्द भंडार, जिसका इस्तेमाल शिक्षार्थी अपने दैनिक जीवन में रोज़ करते हैं, उससे जोड़कर पढ़ने का प्रयास करेंगे।

• हम प्रवेशिका में अक्षरों के साथ अलग-अलग मात्राओं को जोड़कर उनकी पहचान करना सिखा रहे हैं। इससे अक्षर-ध्वनि संबंध समझने में शिक्षार्थी को आसानी होगी और उनकी बेहतर समझ भी विकसित होगी। जैसे – *प, पा, पि, पी*, आदि।

• भाषा-खेलों के द्वारा भी पढ़ना-लिखना सिखाने में मदद मिलेगी। साथ ही अक्षर - ध्वनि - संबंध की समझ भी विकसित होगी जिससे पढ़ने-लिखने में आसानी होगी,उदाहरण के लिए एक से अधिक अक्षरों का प्रयोग करते हुए शब्द बनाना और पढ़ना, शब्दों को बोलना, पढ़ना-लिखना जैसे खेल।

• अक्षर जाल का प्रयोग करके भी अक्षर व मात्रा की पहचान संबंधी समझ को और विकसित व सुदृढ़ किया जा सकता है। अक्षर - जाल शब्द - निर्माण और शब्दों की पहचान करने का एक अच्छा विकल्प है। प्रवेशिका में कई जगह भाषा खेल दिए गए हैं जहाँ शब्दों को पहचानने का काम व उन्हें पहचान कर उन पर घेरा लगाने का काम दिया गया है।

• संख्या ज्ञान को भाषा के साथ ही जोड़कर पढ़ाने के लिए प्रवेशिका में भाषा और गणित को एकीकृत रूप में सम्मिलित किया गया है।

बुनियादी संख्या ज्ञान

• संख्या ज्ञान से शिक्षार्थी थोड़ा-बहुत परिचित होंगे, क्योंकि वे इसे अपने दैनिक जीवन में सुनते, देखते और करते होंगे, चाहे वह रुपयों का लेन-देन हो, सामान खरीदना हो, सब्ज़ियाँ खरीदना या बेचना हो,

सामान गिनना हो आदि। इन सभी कामो में संख्या ज्ञान की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए पहले जान लें कि शिक्षार्थी संख्या को कितना जानते और प्रयोग करते हैं। उसके बाद ही आगे की शुरुआत करें।

- हम अपने आस-पास मौजूद वस्तुओं का उपयोग संख्याओं की पहचान करवाने के लिए कर सकते हैं, जैसे मोबाइल का इस्तेमाल अंकों की पहचान करने के लिए कर सकते हैं। चूँकि बाजार सभी के दैनिक जीवन की ज़रूरतों से जुड़ा है और बाज़ार से सामान खरीदने, बेचने के उदाहरण से वे ज़्यादा अच्छे से समझ बना सकेंगे और समझेंगे कि पढ़ना-लिखना हमारे जीवन को आसान बनाने में सहायक है। प्रवेशिका में भी इसी तरह बाज़ार के उदाहरणों के साथ संख्या ज्ञान से परिचित करवाने का प्रयास किया गया है।

- कुछ शिक्षार्थियों को वस्तुओं को गिनने का ज्ञान हो सकता है, इसलिए वस्तुओं को गिनकर संख्या की पहचान करवाएँ। संख्या से अवगत होने के बाद ही वे बाकी गणितीय अवधारणाओं को समझ और सीख सकेंगे।

- गणितीय अवधारणओं को और मज़बूत करने के लिए दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरण ज़्यादा से ज़्यादा दें और उन्हें गणितीय अवधारणओं से परिचित करवाने के लिए भी दैनिक जीवन से जुड़े ज़्यादा से ज़्यादा उदाहरण दें।

- जोड़ व घटा जैसी गणितीय अवधारणओं को वस्तुओं के साथ सिखाएँ, जैसे- तीन में चार जोड़ने पर क्या मिला, इसे दर्शाने के लिए एक जैसी तीन वस्तुओ में उसके जैसी चार और वस्तुओं को मिलाकर दिखाएँ और गिनने को कहें। उसी तरह घटाने में भी वस्तुओं को हटाकर गिनने के लिए कहें।

- प्रवेशिका में रुपयों के द्वारा भी जोड़ना और घटाना सिखाया गया है जिससे जोड़ व घटा की गणितीय अवधारणा को भी समझा जा सके और रुपयों की समझ पर भी साथ काम किया जा सके। शिक्षार्थियों के साथ रुपए लेन-देन की एक छोटी गतिविधि भी करवाई जा सकती है जिससे उन्हें रुपए के लेन-देन की समझ और जोड़ व घटा की गणितीय अवधारणा साथ-साथ समझाई और सिखाई जा सके।

- कहानी व गीत के द्वारा भी गणितीय अवधारणाओं को समझाने का प्रयास किया जा सकता है। इकाई, दहाई जैसी अवधारणाओं को समझाने के लिए दैनिक जीवन से जुड़े अनुभव लेने का प्रयास करें। जिससे शिक्षार्थी की समझ बेहतर हो पाए। अलग-अलग वस्तुओं के बंडल बनवाकर भी इस अवधारणा को समझाया जा सकता है। इससे शिक्षार्थियों को समझने में आसानी भी होगी, क्योंकि इस तरह के काम वे अपनी निजी ज़िंदगी में करते होंगे।

- प्रवेशिका में गुणा की अवधारणा को सिखाने के लिए जोड़ की समझ का प्रयोग किया गया है। इससे न सिर्फ़ जोड़ की समझ पुख्ता होगी बल्कि गुणा को समझाना भी आसान होगा। इसके साथ यह भी ज़रूरी है कि वस्तुओं के साथ गुणा को समझाया जाए, जैसे- चार गुना समझाने के लिए एक वस्तु को चार बार दर्शाएँ। इसी तरह 2×2 दिखाने और समझाने के लिए 2 वस्तुओं को दो अलग-अलग समूह में रखना और गिनकर बताना।

• मापन की अवधारणा को वज़न, तौल, ठोस व तरल पदार्थ में अलग-अलग मापने के तरीकों के बारे में बातचीत के द्वारा समझाएँ। शिक्षार्थी सामान खरीदते समय मापने की इकाइयों को सुनते हैं और इनसे कुछ-कुछ परिचित भी होंगे। हमारा उद्देश्य यह है कि जो जानकारी शिक्षार्थियों के पास है, उसको जानें और फिर उससे जोड़ते हुए उन्हें मापन की इकाइयों से परिचित करवाएँ।

• अलग-अलग आकार के बर्तनों का इस्तेमाल करके इकाइयों की पहचान व किस तरह की वस्तु के लिए हम किस इकाई का इस्तेमाल करते हैं, इस पर बातचीत करें। इकाई बदलने के बारे में भी इसी तरह बातचीत की जा सकती ताकि इकाइयों की समझ को विकसित किया जा सके। अगर कोई सब्ज़ी बेचने का काम करता है तो उस व्यक्ति से बाट मँगवाकर, बाट दिखाकर भी किलोग्राम और ग्राम की समझ बनाने में मदद करे। इसी तरह दूध मापने के यंत्रों को दिखाकर लीटर की समझ बनाने में मदद की जा सकती है।

• समय देखना सिखाने के लिए प्रवेशिका में सुई वाली और डिजिटल, दोनों घड़ियों का उदाहरण देकर बात की गई है। कोशिश करें कि समय देखना सिखाने के लिए एक दीवार घड़ी को शिक्षार्थियों के सामने लाकर सुइयों की पहचान और सुइयों को घुमाकर समय बदल-बदल कर, समय देखना सिखाएँ और उन्हें खुद घड़ी देखकर समय बताने को कहें। इससे समय सीखना मज़ेदार भी होगा और उसकी पूरी समझ भी बनेगी।

• अलग-अलग संदर्भों में डिजिटल घड़ी को शिक्षार्थियों के सामने ज़रूर लाएँ ताकि वे डिजिटल संख्याओं को पढ़ना सीख पाएँ और डिजिटल तराजू, घड़ी आदि को आसानी से पढ़ पाएँ।

• 12 घंटे और 24 घंटे की घड़ियों को पढ़ने के अलग-अलग तरीके हैं इसलिए 24 घंटे की घड़ी को कैसे पढ़ा जाता है, इस पर बात करें और उसे पढ़ने के तरीके ज़रूर बताएँ। ट्रेन के टिकट का इस्तेमाल कर 24 घंटे की घड़ी को पढ़ना सिखाया जा सकता है।

• कैलेंडर को पढ़ना और देखना सिखाने के लिए शिक्षार्थियों को एक कैलेंडर दिखाएँ और महीनों के नाम और दिनांक पढ़ना सिखाएँ। शिक्षार्थियों को हर दिन कैलेंडर देखकर महीना और दिनांक बताने का काम दें जिससे वे इसका इस्तेमाल करें और पढ़ें। शिक्षार्थियों से पूछा जा सकता है कि वे अपने दैनिक जीवन में कैलेंडर का प्रयोग कैसे करते हैं।

• संक्षिप्त प्रवेशिका में महत्वपूर्ण जीवन कौशल से संबंधित विषय, जैसे- कानूनी जानकारी, खान-पान और सेहत, डिजिटल साक्षरता आदि को शामिल किया गया है। इन विषयों से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण बिंदु, जैसे - मतदान, बैंक खाता संबंधी जानकारी; साइबर सुरक्षा पर बातचीत के लिए अवसर दिए गए हैं। चेक बुक, जमा पर्ची आदि को शिक्षार्थियों के साथ साझा करके उन्हें पढ़ना और भरना सिखाएँ।

प्रवेशिका निर्माण-समिति

परामर्श

दिनेश प्रसाद सकलानी, निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।
श्रीधर श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।

समीक्षा-समिति

आयुष्मान गोस्वामी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर, राजस्थान
कंचन देवरारी, अपर निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., देहरादून, उत्तराखंड
चाँदकिरण सलूजा, निदेशक, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
प्रशांत पाण्डेय, सहायक निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., रायपुर, छत्तीसगढ़
संजीव कुमार, पूर्व प्रधानाचार्य, डाइट, आर.के. पुरम, नई दिल्ली
सत्यवीर सिंह, प्रधानाचार्य, एस.एन.आई. महाविद्यालय, पिलाना, उत्तर प्रदेश
उषा शर्मा, प्रोफेसर एवं प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

निर्माण-समिति

अमन गुप्ता, परामर्शदाता, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
अक्षय कुमार दीक्षित, मेंटर शिक्षक, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली
कृत प्रसाद, प्रधानाचार्य, मध्य विद्यालय, गौढ़ापुर, चंडी, नालंदा, बिहार
जुबैर कुरैशी, पूर्व निदेशक, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
निशात फ़ारूक़, पूर्व निदेशक, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
मंजुला माथुर, रिटायर्ड प्रोफेसर, सी.आई.ई.टी, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
यासमीन अशरफ़, वरिश्ठ परामर्शदाता, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
वर्षा सिंघल, कनिष्ठ परियोजना अध्येता, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
शिवा श्रीवास्तव, परामर्शदाता, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सत्यवीर सिंह, प्रधानाचार्य, श्री नेहरू इंटर कॉलेज, पिलाना, बागपत, उत्तर प्रदेश
सुमन सिंह, प्रधानाचार्य, मध्य विद्यालय, छपरा, बिहार
सोनाली, कनिष्ठ परियोजना अध्येता, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

सदस्य समन्वयक

उषा शर्मा, प्रोफेसर एवं प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

आभार

परिषद्, उन सभी चित्रकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनके चित्रांकन पुस्तक में शामिल किए गए हैं। पुस्तक में चित्रांकन के लिए परिषद् शशि शेट्ये, नई दिल्ली; सुनीता, लोक चित्रकार (मांडना शैली), जयपुर, राजस्थान; सुभाष व्याम, लोक चित्रकार (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; मानसिंह व्याम, लोक चित्रकार (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; प्रशांत सोनी, उदयपुर, राजस्थान; सागर अरणकल्ले, नोएडा, उत्तर प्रदेश; शुभम लखेरा, चंदेरी, मध्य प्रदेश; हबीब अली, ग्वालियर, मध्य प्रदेश; अबीरा बंद्योपाध्याय, नयी दिल्ली; जितेंद्र चौरसिया, देवास, मध्य प्रदेश; हरिओम पाटीदार, धार, मध्य प्रदेश; नीलेश गहलोत, धार, मध्य प्रदेश; रुचिन सोनी, नई दिल्ली; मयूख घोष, कोलकाता, पश्चिम बंगाल; सच्चिदानंद झा, मधुबनी, बिहार; राधाश्याम राउत, भुवनेश्वर, ओडिशा और श्रेयसी दत्त, मधुबनी, बिहार का विशेष आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, प्रवेशिका के आवरण पृष्ठ के लिए पद्मश्री दुर्गाबाई व्याम, लोक चित्रकार (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश की आभारी है।

परिषद्, भारत निर्वाचन आयोग, राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल, भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, राज्य संसाधन केंद्र, इंदौर के प्रति भी आभार प्रकट करती है जिनकी वेबसाइट से प्रवेशिका के निर्माण के लिए उपयोगी सामग्री और चित्र प्राप्त हुए।

परिषद्, प्रवेशिका के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ की बानी बोरा, वरिष्ठ परामर्शदाता; याचना गुप्ता, वरिष्ठ परामर्शदाता; रोहित नैनवाल, परामर्शदाता; ज्योति तिवारी परामर्शदाता; सिद्धांत सिंह, परामर्शदाता; भावना खेड़ा, कनिष्ठ परियोजना अध्येता; शुभम कुमार, सीनियर ग्राफ़िक डिज़ाइनर; फरहान अहमद, सीनियर ग्राफ़िक डिज़ाइनर, और जितेंद्र, टाइपिस्ट की आभारी है। परिषद्, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. की सपना, टाइपिस्ट के प्रति आभारी है जिनके सहयोग से इस कार्य को पूरा करने में मदद मिली।

प्रकाशन प्रभाग से मिले सहयोग का परिषद् आभार व्यक्त करती है।

उत्तराखण्ड "उल्लास" प्रवेशिका निर्माण समिति

संरक्षक

- रविनाथ रमन, *सचिव*, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड, देहरादून
- बंशीधर तिवारी, *महानिदेशक,* विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड, देहरादून

निर्देशन

- बन्दना गर्ब्याल,
  निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून

संयोजन

- अजय कुमार नौडियाल,*अपर निदेशक,* एस.सी. ई.आर.टी. उत्तराखंड, देहरादून

परामर्श एवं मार्गदर्शन

- प्रो० उषा शर्मा *प्रभारी,* राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
- आशा रानी पैन्यूली, *संयुक्त निदेशक*, एस.सी. ई. आर. टी.उत्तराखंड, देहरादून
- किरन बहुखंडी, *उप निदेशक*, एस.सी. ई. आर. टी. उत्तराखंड, देहरादून
- अनीता द्विवेदी, *सहायक निदेशक,* एस.सी. ई. आर. टी. उत्तराखंड, देहरादून

समन्वयक

- डॉ० हरेन्द्र सिंह अधिकारी
  प्रवक्ता / समन्वयक, राज्य साक्षरता केंद्र, एस.सी. ई.आर.टी. उत्तराखंड, देहरादून

संपादन एवं परिमार्जन

- डॉ० हरेन्द्र सिंह अधिकारी *प्रवक्ता / समन्वयक,* राज्य साक्षरता केंद्र,
  एस.सी. ई.आर.टी. उत्तराखंड, देहरादून
- कैलाश प्रकाश चन्दोला, *प्रवक्ता,* जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, डायट, बागेश्वर
- डॉ० उमेश चमोला, *प्रवक्ता,* एस.सी. ई.आर.टी. उत्तराखंड, देहरादून

सहयोग

- राष्ट्रीय साक्षरता केन्द्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली
- रोहित नैनवाल, *परामर्शदाता*, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली
- यासमीन अशरफ़, *परामर्शदाता*, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली
- सोनाली, *कनिष्ठ परियोजना अध्येता*, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र - प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, डायट, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखंड के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी

आवरण पृष्ठ

- मिलिन्द बिष्ट, *स० अ०*, रा० इ० का० उडियार, कपकोट, बागेश्वर

विषय-सूची

आमुख *i*

प्रस्तावना *iii*

अपनी बात *iv*

अपर निदेशक की कलम से *v*

स्वयंसेवी शिक्षकों से दो बातें *vi*

प्रवेशिका निर्माण-समिति *xi*

आभार *xii*

उत्तराखंड उल्लास निर्माण समिति *xiii*

1. परिवार और पड़ोस **2–17**

- अ, आ, न, प, स, र, व
- 1 से 20 तक की संख्याएँ पहचानना, पढ़ना और लिखना

2. बातचीत **18–37**

- इ, ई, ब, त, म, ख, ट, च
- 21 से 50 तक की संख्याएँ पहचानना, पढ़ना और लिखना
- 50 तक की संख्याओं का जोड़ एवं घटा करना
- इकाई और दहाई समूहों में गिनना

3. हमारा रहन-सहन **38–59**

- ओ, औ, झ, द, ल, ग, क, य
- 51 से 1000 तक की संख्याएँ पहचानना, पढ़ना और लिखना
- इकाई, दहाई और सैकड़े के समूहों में गिनना (स्थानीय मान)
- 2 अंकीय संख्याओं का जोड़ एवं घटा
- एक अंकीय संख्याओं का गुणा करना
- 100 - 100 के समूहों में गिनना

4. हमारे आस-पास **60–75**

- ए, ऐ, ज,भ, ड, ड़, श, ष, अनुस्वार, अनुनासिक
- तीन अंकों वाली संख्याओं का जोड़ एवं घटा करना
- लंबाई, वज़न और धारिता का मापन करना
- दो अंकीय संख्याओं का एक अंकीय संख्याओं से गुणा
- भाग की समझ बनाना

5. खान-पान और सेहत **66–89**

- उ, ऊ, ह, छ, थ, फ, ठ
- समय देखना (घंटा, मिनट, सेकंड)
- समय की इकाईयों को परस्पर बदलना
- डिजिटल अंको की पहचान करना एवं लिखना

6. मतदान **90–101**

- क्ष, घ, ध, ढ, ढ़
- समय की माप का उपयोग करना (12 और 24 घंटे वाली घड़ी)
- कैलेंडर, समय-सारिणी और रेल टिकट पर दी गई सूचनाओं की समझ बनाना

7. कानूनी जानकारी **102–111**

- त्र, श्र, ण, ऋ, ज्ञ
- कानून से जुड़ी शब्दावली को समझना और पढ़ना
- बैंक संबंधी फ़ॉर्म पढ़ना, समझना और भरना (चैक, जमा पर्ची, नकद निकासी पर्ची)
- साइबर सुरक्षा के बारे में जानना

मेरी किताब

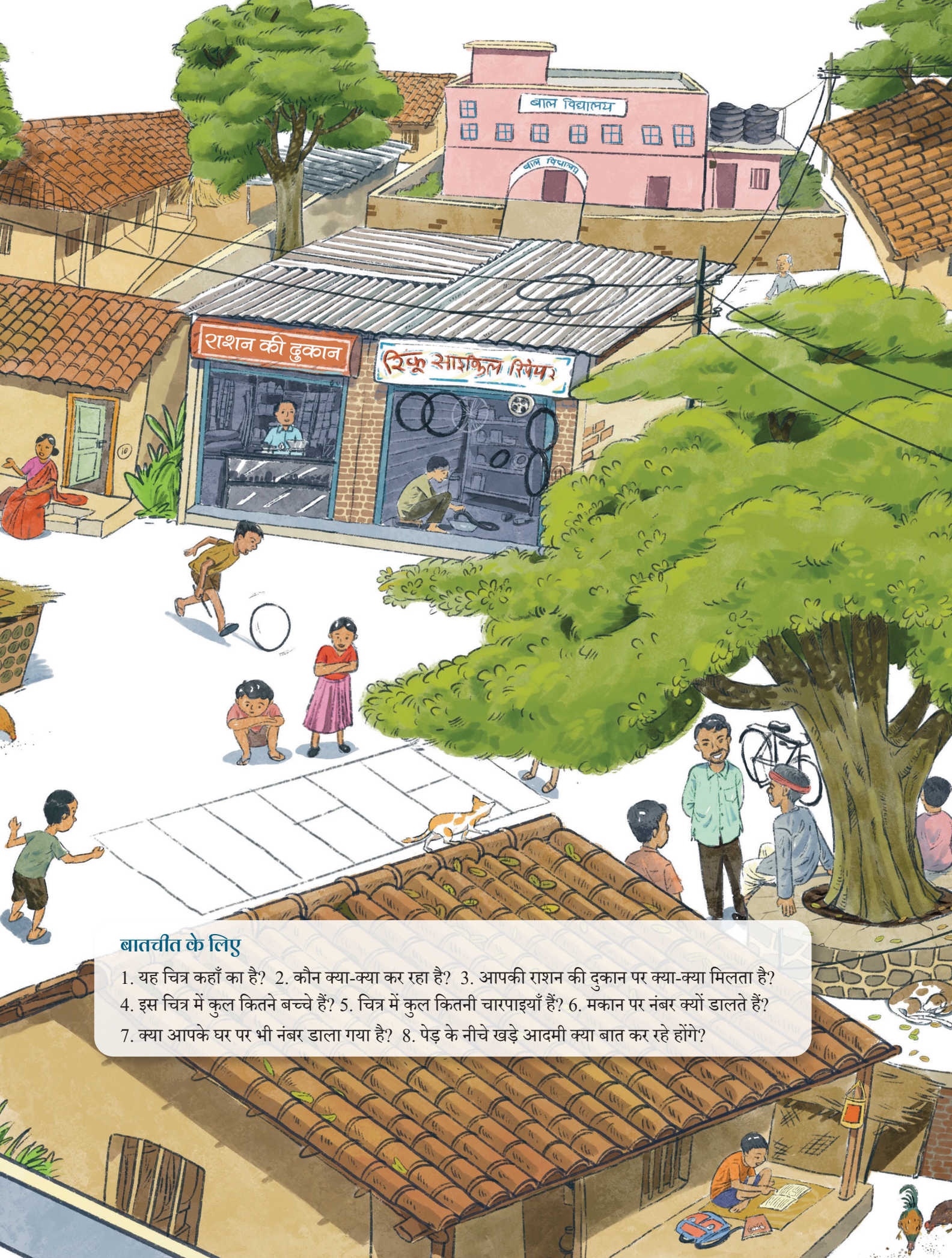
मेरा नाम – _____

मेरा पता – _____

_____

मेरा मोबाइल नंबर – _____


सरकारी अस्पताल
आरिफ फूटवियर
मुस्कान बुटिक
7
3
④



बातचीत के लिए

1. यह चित्र कहाँ का है? 2. कौन क्या-क्या कर रहा है? 3. आपकी राशन की दुकान पर क्या-क्या मिलता है?
4. इस चित्र में कुल कितने बच्चे हैं? 5. चित्र में कुल कितनी चारपाइयाँ हैं? 6. मकान पर नंबर क्यों डालते हैं?
7. क्या आपके घर पर भी नंबर डाला गया है? 8. पेड़ के नीचे खड़े आदमी क्या बात कर रहे होंगे?

1 परिवार और पड़ोस

हम सीखेंगे

अ	आ	न	प	स	र	व

- 1 से 20 तक की संख्याएँ पहचानना, पढ़ना और लिखना

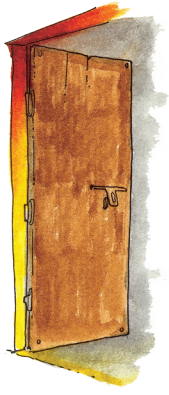
चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए



दुकान



परिवार



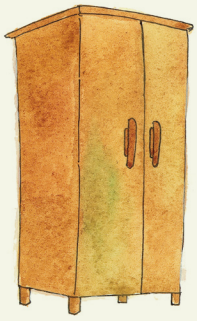
दरवाज़ा



रसोईघर

पढ़िए और लिखिए

अ



अलमारी

आ



आदमी

अ

आ

न



नल

ना



नारियल

न

ना

शिक्षक-निर्देश - शिक्षार्थियों से बारी-बारी चित्र की पहचान करवाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़वाएँ और शिक्षार्थियों से अक्षर लिखवाएँ। 'अ' और 'आ' की आवाज़ और आकृति में अंतर को भी समझाएँ। इसी तरह बाकी अक्षरों को पढ़ने और लिखने के लिए कहें।

प



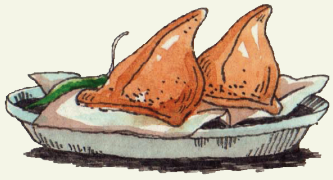
पा



पपीता

पालक

स



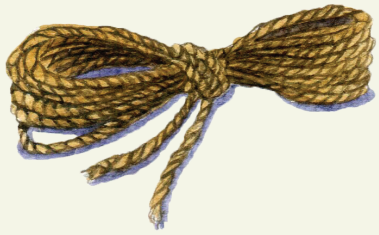
सा

7

समोसा

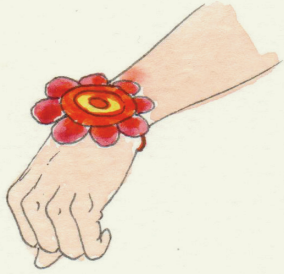
सात

र



रस्सी

रा



राखी

व



वन

वा



वाहन

देखिए और पढ़िए

नाना	आप	वानर
पापा	आना	सावन
पास	अनार	सपना
नाप	नर	नापना

शब्दों को पहचानकर घेरा लगाइए–

अ	व	वा	ना	आ
प	ना	न	रा	स
ना	प	र	आ	ना
न	र	पा	ना	प
व	सा	व	न	र

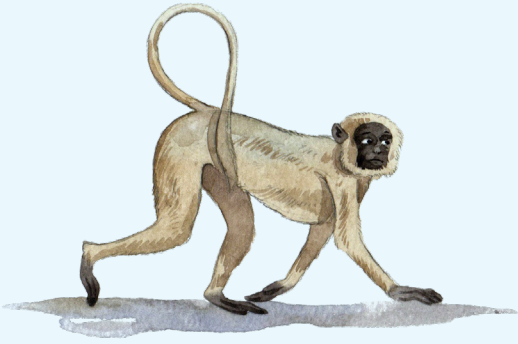
चित्र देखकर खाली जगह भरिए–



ना.....



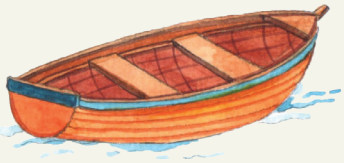
अ..... र



वान.....

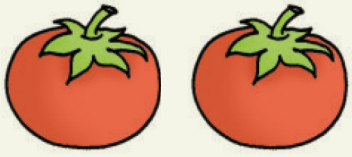
शिक्षक-निर्देश - स्वयंसेवी शिक्षक सीखे हुए अक्षरों को बोर्ड पर लिखें और शिक्षार्थियों से शब्द बनाने को कहें। सभी मिलकर शब्द बनाएँ। शिक्षार्थियों को अक्षर लिखने के लिए प्रेरित करें। लिखे हुए शब्दों को बारी-बारी पढ़ने के लिए कहें।

गिनिए और संख्या पहचानिए



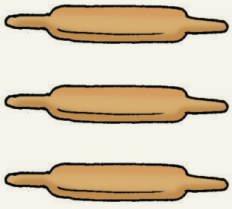
1

एक नाव



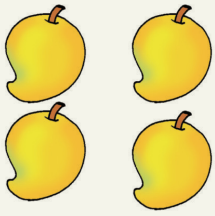
2

दो टमाटर



3

तीन बेलन



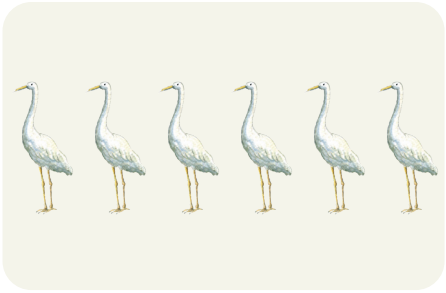
4

चार आम



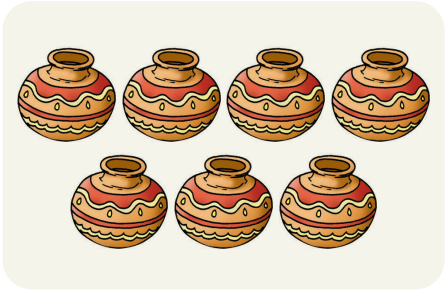
5

पाँच घर



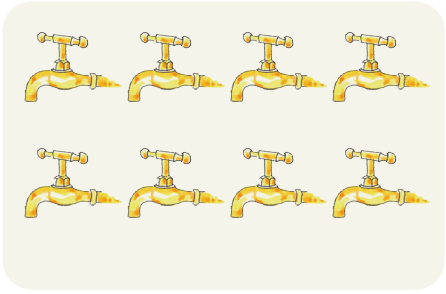
6

छह सारस



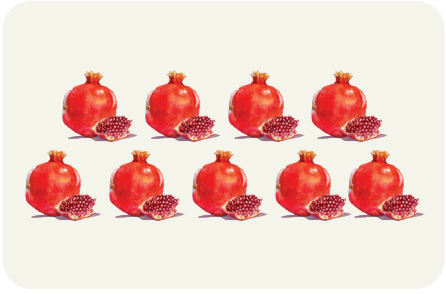
7

सात मटके



8

आठ नल



9

नौ अनार

शिक्षक-निर्देश - यह कोशिश करें कि शिक्षार्थी चित्रों में दिखाई गई चीज़ों को गिनें एवं दिखाई गई संख्या को पहचानें। शिक्षार्थियों को अपने आस-पास मौजूद चीज़ों को भी गिनने का अवसर दें। जैसे– कमरे में कितने व्य□क्त हैं?

देखिए, गिनिए और संख्या लिखिए

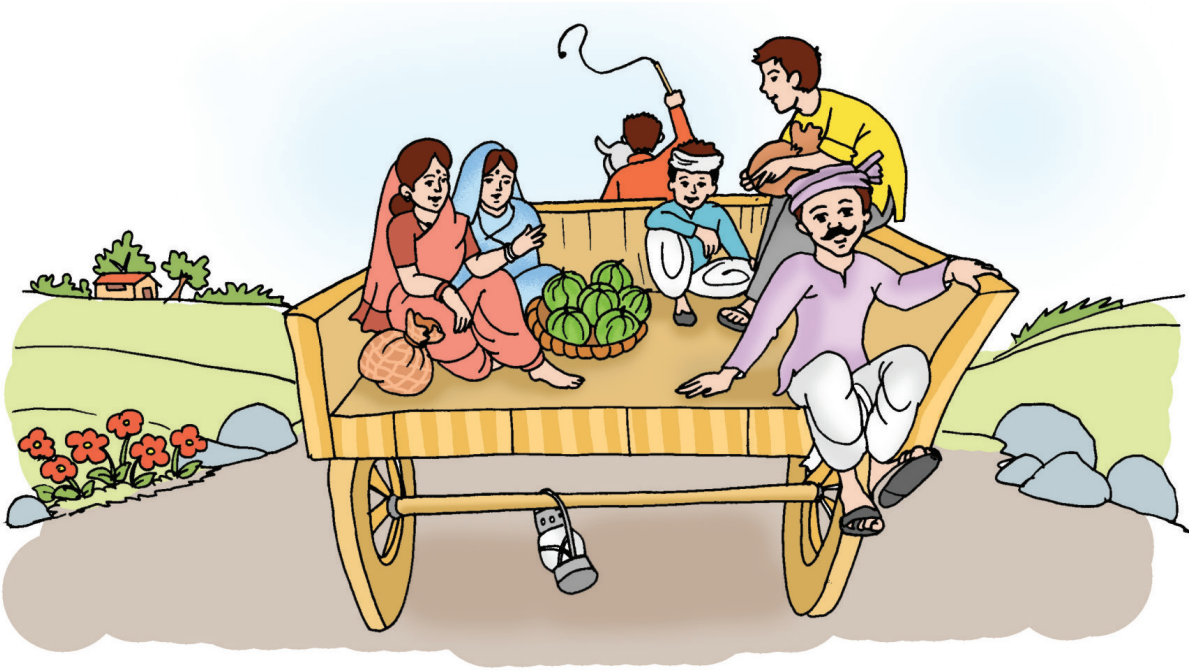
1	1		6	6	
2	2		7	7	
3	3		8	8	
4	4		9	9	
5	5				

मोबाइल में कौन-सा अंक कहाँ है? खाली स्थान में सही अंक लिखिए–



शिक्षक-निर्देश - मोबाइल में दिए गए अंकों को लिखने का अभ्यास करवाएँ। यह कोशिश करें कि शिक्षार्थी इन अंकों को पहले स्वयं बोलें और फिर बिंदुओं की मदद से लिखें। जिन शिक्षार्थियों को अधिक अभ्यास की ज़रूरत हो उन्हें बार-बार अभ्यास का अवसर दें। यह कोशिश करें कि शिक्षार्थी मोबाइल के की-पैड पर लिखे हुए अंकों का पैटर्न पहचानें और उसके आधार पर संख्याओं (1 से 9 तक) को लिखें।

राजा का परिवार बैलगाड़ी से जा रहा है। देखिए, गिनिए और संख्या लिखिए –



- गाड़ी में कुल कितने व्यक्ति हैं? ☐
- गाड़ी में कितने पुरुष हैं? ☐
- गाड़ी में कितनी महिलाएँ हैं? ☐
- टोकरी में कितने तरबूज़ हैं? ☐
- गाड़ी में कितने पहिये हैं? ☐
- गाड़ी में कितनी लालटेन हैं? ☐

खाली जगह में संख्या लिखकर क्रम पूरा कीजिए –

1		3	4		6			9

शिक्षक-निर्देश - शिक्षार्थियों से वस्तुओं को गिनकर सही संख्या लिखने का अभ्यास करवाएँ। संख्या पढ़ने और लिखने में शिक्षार्थियों की मदद करें। आप चाहें तो आस-पास मौजूद चीज़ों की गिनती भी करवा सकते हैं।

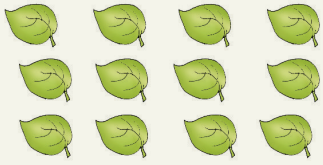
आइए, मिलकर गिनें



दस नल 10



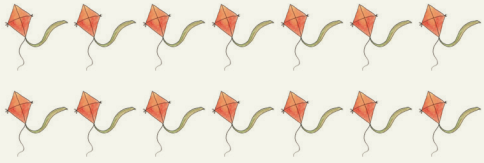
ग्यारह पलंग 11



बारह पत्ते 12



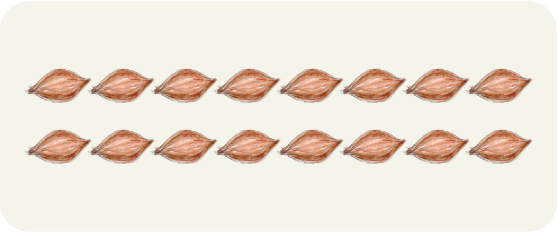
तेरह अलमारियाँ 13



चौदह पतंगें 14



पंद्रह राखियाँ 15



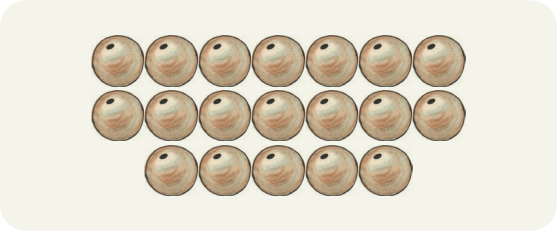
सोलह नारियल 16



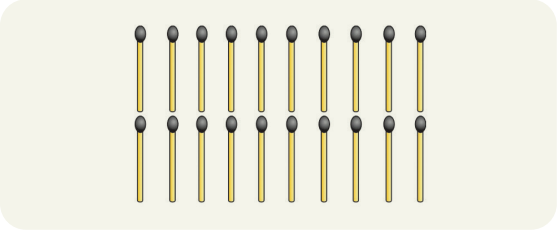
सत्रह अनार 17



अठारह मछलियाँ 18



उन्नीस मोती 19



बीस तीलियाँ 20

खाली जगह में संख्या लिखकर क्रम पूरा कीजिए–

10		12		14	15		17			20

शिक्षक-निर्देश - शिक्षार्थियों से वस्तुओं को गिनकर सही संख्या लिखने का अभ्यास करवाएँ। संख्या पढ़ने और लिखने में शिक्षार्थियों की मदद करें। आप चाहें तो आस-पास मौजूद चीज़ों की गिनती भी करवा सकते हैं।

अभ्यास-कार्य

1. दिए गए अक्षर की पहचान कर उन पर घेरा लगाइए -

न	-	नल	बेलन
स	-	सपना	बस
रा	-	रात	हीरा
पा	-	पालक	नापा

2. पढ़िए और लिखिए -

पा प आ स ना

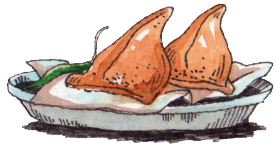
3. चित्र देखकर खाली जगह भरिए -



अ.....र



ना.....



.....मोसा

4. शब्दों की पहचान कर घेरा लगाइए-

अ	व	वा	ना	आ
प	ना	न	रा	स
ना	प	र	आ	ना
न	र	पा	ना	प
व	सा	व	न	र

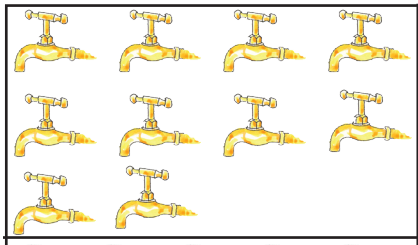
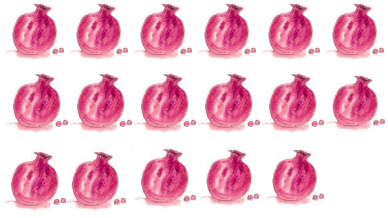
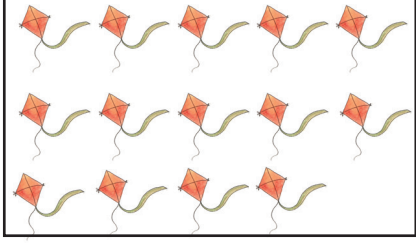
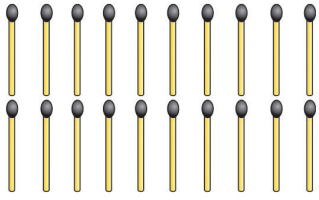
5. गिनिए एवं संख्या लिखिए -

6. खाली स्थान में संख्या लिखकर क्रम पूरा कीजिए -

1		3	4					9

7. गिनिए एवं संख्या लिखिए -

8. खाली स्थान में संख्या लिखकर क्रम पूरा कीजिए -

10		12		14	15		17			20


डाक घर
जनपद मुंशी
पत्र



बातचीत के लिए

1. अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने के लिए इस चित्र में कौन-कौन से तरीके इस्तेमाल किए जा रहे हैं? 2. क्या आप कभी डाकघर गए हैं? 3. आप डाकघर किन-किन कामों से जाते हैं? 4. खबरें किन-किन तरीकों से मिलती हैं? 5. मोबाइल का प्रयोग बातचीत के अलावा किन-किन कामों के लिए करते हैं?

2 बातचीत

हम सीखेंगे

इ	ई	ब	त	म	ख	ट	च

- 21 से 50 तक की संख्याएँ पहचानना, पढ़ना और लिखना
- 1 से 50 तक की संख्याओं का जोड़ और घटा करना
- इकाई और दहाई समूह में गिनना

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए



अखबार



डाक-पेटी



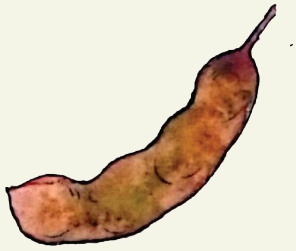
बातचीत



मोबाइल

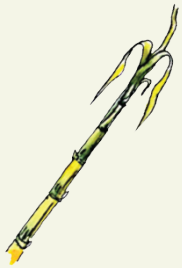
पढ़िए और लिखिए

इ



इमली

ई



ईख

ब



बस

बा

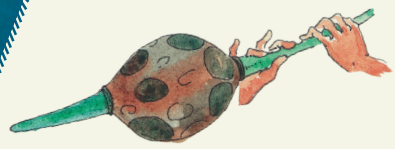


बाल मिठाई

बि



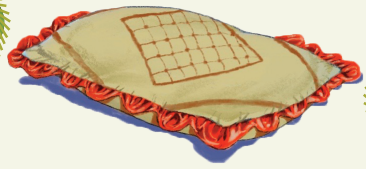
बी



बिल्ली

बीन

त



ता



तकिया

ताला

शिक्षक-निर्देश - चित्र देखकर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें, उनसे अक्षर लिखवाएँ। दी गई जगह में चित्र का नाम लिखवाएँ।

ति



ती

3

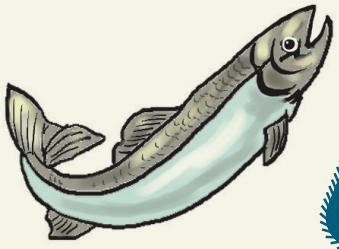
तितली

तीन

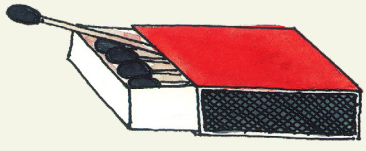
ति

ती

म



मा



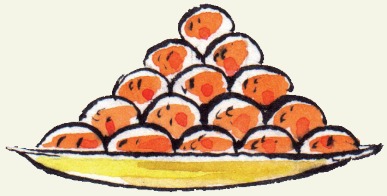
मछली

माचिस

म

मा

मि



मी



मिठाई

मील का पत्थर

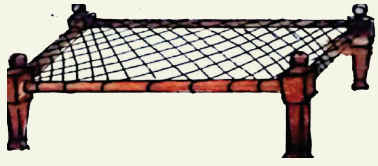




ख



खा



खतरा

खाट





खि



खिलौने

खी



खीरा

ट



टमाटर

टा



टाई

टि



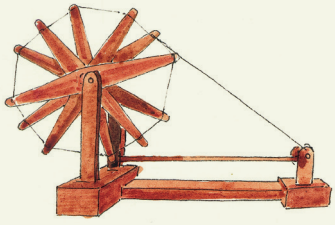
टी



टिकट

टीका

च



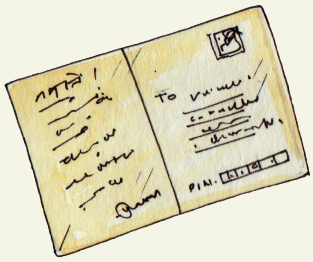
चा

4

चरखा

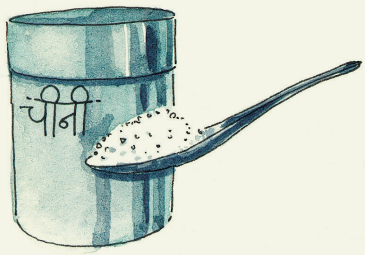
चार

चि



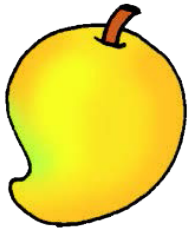
चिट्ठी

ची



चीनी

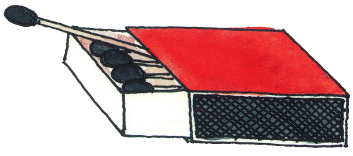
चित्र देखकर खाली स्थान भरिए –



आ·····



म·····न



मा·····स



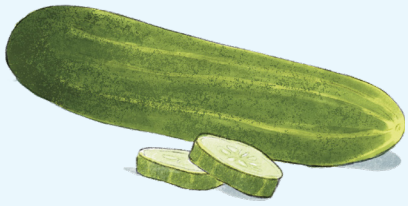
·····माटर

शिक्षक-निर्देश - शिक्षार्थियों को अक्षर पहचानने व उनसे जुड़े शब्दों को पहचान कर लिखने के लिए प्रेरित करें।

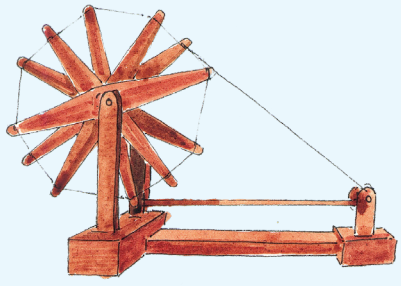
वाक्यों को मिलकर पढ़िए –

- मालगाड़ी पर सामान जा रहा है।
- रानी टीका लगवाने गई है।
- मुनमुन मिठाई खा रही है।
- मीना ने बाबा को चिट्ठी लिखी है।
- बस में बहुत सारे लोग हैं।

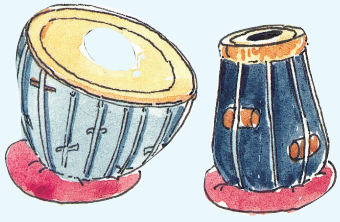
चित्रों के नाम लिखिए –



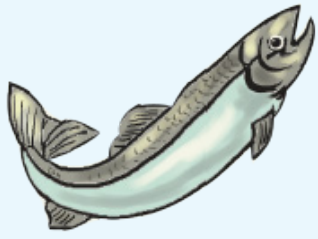
.....



.....



.....



.....

शिक्षक-निर्देश - शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। शिक्षार्थियों से अक्षर पहचानने व उनसे जुड़े शब्दों को पहचानने और छोटे-छोटे वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें।

पायल के घर में 5 लोग बैठे हैं। 4 लोग और आ गए हैं। अब कुल कितने लोग हुए?



5 लोग	और	4 लोग मिलाकर हुए	9 लोग
5	+	4 मिलाकर हुए	9
5	+	4 =	9

5 + 4 = 9 या

$$\begin{array}{r} 5 \\ +\ 4 \\ \hline 9 \end{array}$$

जोड़िए

$$\begin{array}{r} 13 \\ +\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 15 \\ +\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 12 \\ +\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

7 + 2 = ☐

13 + 4 = ☐

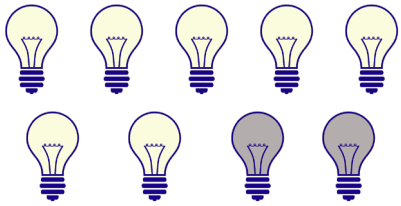
- डाकिए ने पहले दिन 8 चिट्ठियाँ बाँटीं। दूसरे दिन उसने 3 चिट्ठियाँ बाँटीं। डाकिए ने कुल कितनी चिट्ठियाँ बाँटीं?



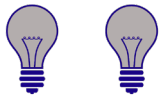
_____

शिक्षक-निर्देश - शिक्षार्थियों को जमा और घटा के निशान पहचानने और गणितिय संक्रियाएँ करने के अधिक से अधिक अवसर दें।गणित में '+' यह जमा का निशान है, '–' यह घटा का निशान है और '=' यह बराबर का निशान है।

- **नौ बल्ब में से दो बल्ब खराब हो गए। बताइए, कितने बल्ब चालू हालत में हैं?**



बल्ब में से



बल्ब खराब हुए



चालू हालत में बचे बल्ब

9	बल्ब में से	–	2	बल्ब खराब हुए	=	7	बल्ब चालू हालत में बचे
9		–	2	बचे	=	7	
9		–	2		=	7	

$$\begin{array}{r} 9 \\ -\ 2 \\ \hline 7 \end{array}$$

या

$$9 - 2 = 7$$

शिक्षक-निर्देश - दैनिक जीवन में ऐसे अवसर आते हैं जहाँ दो संख्याओं का जोड़ करना होता हैं। शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे अलग-अलग संख्याओं को जोड़कर ऐसा कर पाएँ। छोटी (9 तक की) संख्याओं का प्रयोग कर घटा भी कर पाएँ।

घटाइए

9	6	8
− 3	− 2	− 4
———	———	———
———	———	———

7 − 3 = ☐

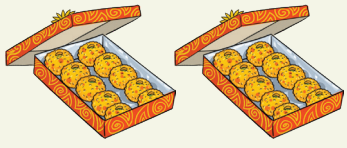
5 − 2 = ☐

- जावेद के पास 20 रुपए हैं, उसने 15 रुपए के फल खरीदे, अब उसके पास कितने रुपए बचे हैं?

_____

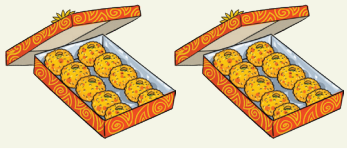
आइए, जोड़कर गिनती सीखें

मिठाई के एक डिब्बे में 10 लड्डू हैं। 10 इकाइयों का मतलब 1 दहाई होता है। देखिए, समझिए और लिखिए



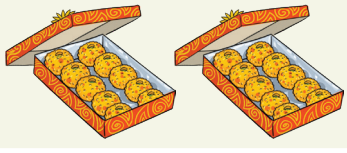
20 + 1 = 21

2 दहाई और 1 इकाई — इक्कीस



20 + 2 = 22

2 दहाई और 2 इकाई — बाईस



20 + 3 = 23

2 दहाई और 3 इकाई — तेईस



20 + 4 = 24

2 दहाई और 4 इकाई

चौबीस



20 + 5 = 25

2 दहाई और 5 इकाई

पच्चीस



20 + 6 = 26

2 दहाई और 6 इकाई

छब्बीस



20 + 7 = 27

2 दहाई और 7 इकाई

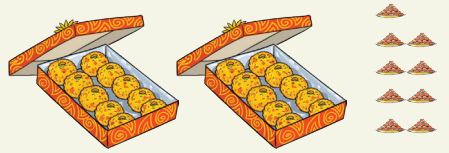
सत्ताईस



20 + 8 = 28

2 दहाई और 8 इकाई

अट्ठाईस



20 + 9 = 29

2 दहाई और 9 इकाई

उनतीस



20 + 10 = 30

2 दहाई और 10 इकाई

या 3 दहाई

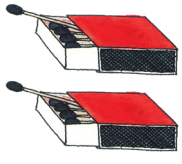
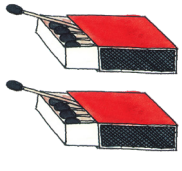
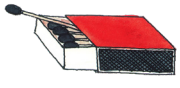
तीस

शिक्षक-निर्देश - इसी तरह आगे की संख्याएँ लिखने में शिक्षार्थियों की मदद करें।

30	+	1	=	31
30	+	2	=	32
30	+	3	=	33
30	+	4	=	34
30	+	5	=	35
30	+	6	=	36
30	+	7	=	37
30	+	8	=	38
30	+	9	=	39
30	+	10	=	40

40	+	1	=	41
40	+	2	=	42
40	+	3	=	43
40	+	4	=	44
40	+	5	=	45
40	+	6	=	46
40	+	7	=	47
40	+	8	=	48
40	+	9	=	49
40	+	10	=	50

- **एक डिब्बी में 10 तीलियाँ हैं। तीलियों की कुल संख्या बॉक्स में लिखिए –**

		या ☐ + ☐
	 	या ☐ + ☐

■ नीचे दिए गए 10 रुपए के नोटों और 1 रुपए के सिक्कों से कुल कितने रुपए बनते हैं, लिखिए–

	10 रुपए के नोट		1 रुपए के सिक्के		कुल रुपए
(क)		+		=	34
(ख)		+		=	☐

■ जोड़िए

40 + 5 ____ ____	30 + 7 ____ ____	40 + 10 ____ ____	25 + 12 ____ ____	32 + 15 ____ ____

27 + 12 = ☐ 32 + 11 = ☐

22 + 14 = ☐ 15 + 25 = ☐

घटाइए

48	36	42	49
− 32	− 13	− 21	− 19
____	____	____	____
____	____	____	____

39 − 23 = ☐ 45 − 31 = ☐

29 − 12 = ☐ 37 − 15 = ☐

आपके पास 10 रुपए और 1 रुपए के कुछ नोट या सिक्के हैं। बताइए, आप दुकानदार को वस्तुओं का मूल्य कैसे चुकाएँगे? सिक्कों और नोटों की संख्या खाली जगह में भरिए–

वस्तु	मूल्य	10 के नोट/सिक्के	1 के नोट/सिक्के
टमाटर	`50		
बर्फ़ी	`42		
मग	`29		
केला	`15		

शिक्षक-निर्देश - शिक्षार्थियों को बताएँ कि दस-दस के समूह में गिनने से बड़ी-बड़ी संख्याओं को गिनना आसान हो जाता है। यह समझ भी विकसित करनी है कि दस इकाइयों से मिलकर दहाई बनती है।

अभ्यास-कार्य

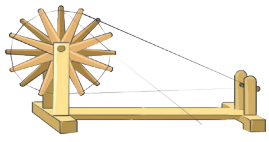
1. दिए गए अक्षर की पहचान कर उन पर घेरा लगाइए -

ई	-	ईख	आई
ट	-	खाट	मटर
ती	-	तीन	गाती

2. दिए गए शब्दों को लिखिए-

नाला खाट बालटीन

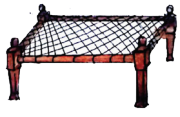
3. चित्र देखकर खाली जगह भरिए -






चर..... ति.....ली त.....ला अल.....री

4. चित्र के नाम लिखिए-






....

5. जोड़िए-

13	36	20	27	32
+ 32	+ 4	+ 15	+ 12	+ 11
____	____	____	____	____

6. घटाइए-

9	8	36	45	37
- 3	- 4	- 12	- 21	- 15
____	____	____	____	____

7. जोडकर गिनती लिखिए-

 = _____

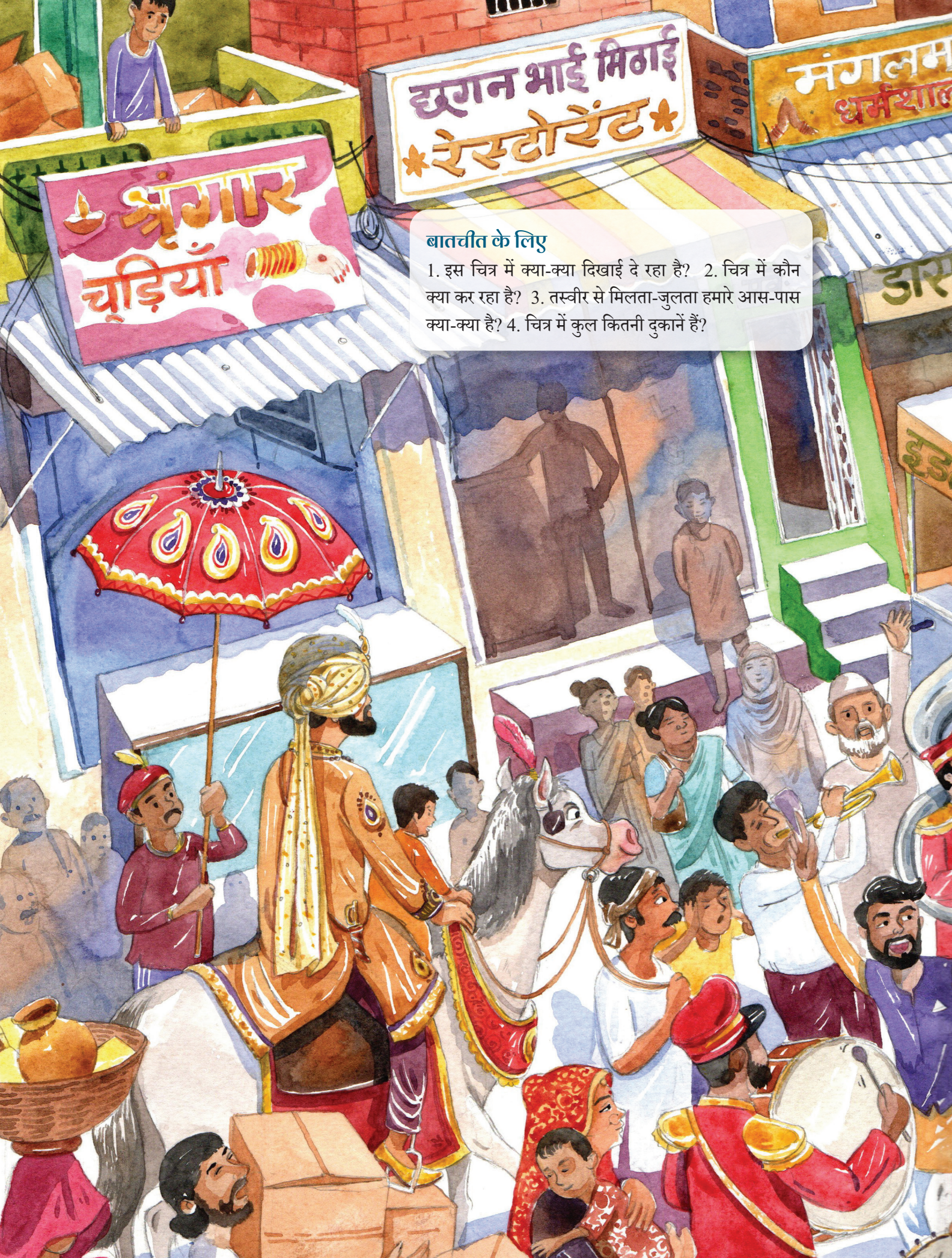
8. खाली स्थान भरिए-

30 + 5 = _____ 40 + 5 = _____

40 + 2 = _____ 40 + 10 = _____

9. सिक्कों या नोटों की डिब्बे स्थान में लिखिए-

मूल्य	10 के नोट/सिक्के	1 के नोट/सिक्के
`42		
`29		



बातचीत के लिए

1. इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है? 2. चित्र में कौन क्या कर रहा है? 3. तस्वीर से मिलता-जुलता हमारे आस-पास क्या-क्या है? 4. चित्र में कुल कितनी दुकानें हैं?


चाहत
ब्यूटी पार्लर
अन्ना डोसा
असली
दयाल
बैन्ड
दयाल

3 हमारा रहन-सहन

हम सीखेंगे

ओ औ झ द ल ग क य

- 51 से 1000 तक की संख्याएँ पहचानना, पढ़ना और लिखना
- इकाई, दहाई और सैकड़े के समूहों में गिनना (स्थानीय मान)
- 2 अंकीय संख्याओं का जोड़ एवं घटा
- एक अंकीय संख्याओं का गुणा करना
- 100 - 100 के समूहों में गिनना

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए



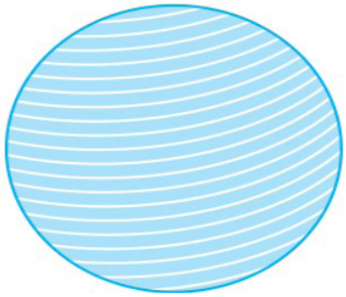
बारात



खिलौने



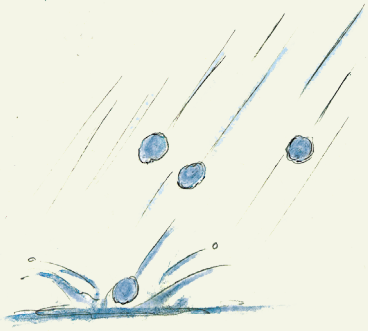
बाजा



गोला

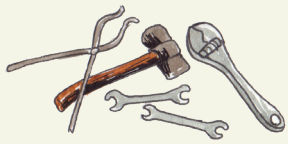
पढ़िए और लिखिए

ओ



ओला

औ

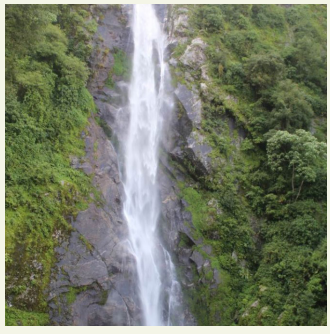


औज़ार

ओ

औ

झ



झरना

झा



झाड़ी

झ

झा

झि



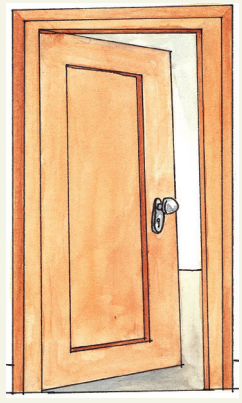
झिलमिल

झी



झील

द



दरवाज़ा

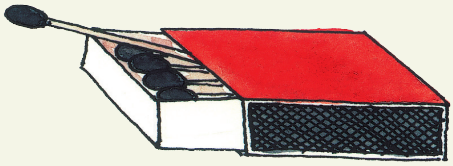
दा



दाढ़ी

शिक्षक-निर्देश - शिक्षार्थियों से बारी-बारी से चित्र की पहचान करवाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें और उनसे अक्षर भी लिखवाएँ।

दि



दी



दियासलाई

दीपक

दौ



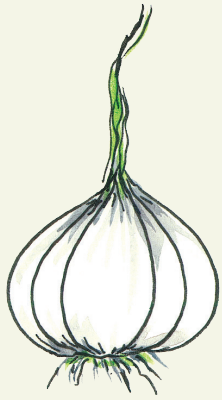
य



दौड़ना

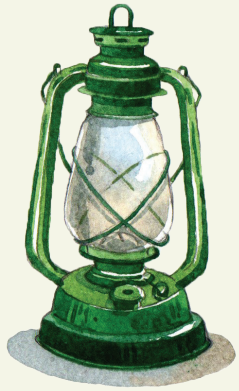
यज्ञ

ल



लहसुन

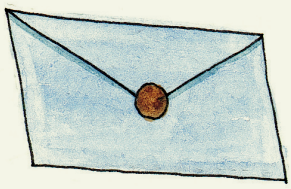
ला



लालटेन

ल ला

लि



लिफ़ाफ़ा

ली

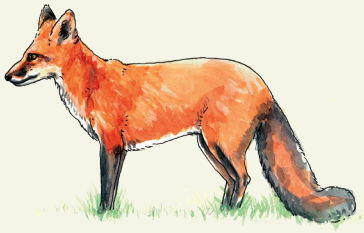


लीपना

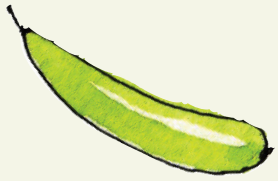
लि ली

शिक्षक-निर्देश - शिक्षार्थियों से बारी-बारी से चित्र की पहचान करवाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें और उनसे अक्षर भी लिखवाएँ।

लो



लौ



लोमड़ी

लौकी

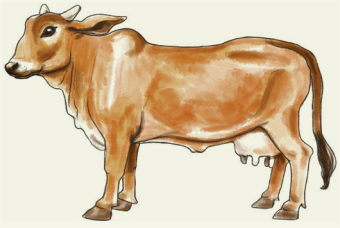
लो

लौ

ग



गा



गमले

गाय

गा

गा

शिक्षक-निर्देश - चित्र देखकर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें और उनसे अक्षर लिखवाएँ। इन अक्षरों को जोड़कर नए शब्द बनाएं और शिक्षार्थियों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

गि



गिलास

गी



गीला

गो



गोभी

गौ



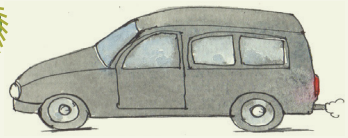
गौरैया

क



करेला

का



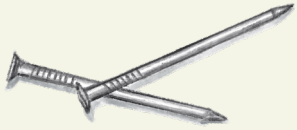
कार

कि



किसान

की



कील

शिक्षक-निर्देश - चित्र देखकर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें और उनसे अक्षर लिखवाएँ।

▪ शब्द ढूँढ़िए और लिखिए

आज कमल ने खाने की कई चीज़ें बनाई हैं। खाने की चीज़ों के नाम पहचानकर उन पर घेरा लगाइए –



पनीर	प्याज़	इमली	टमाटर	कटोरा	थाली	गिलास	कोदा
चटनी	पालक	दाल	चावल	ओस	रोटी	खिलौना	गहत
रायता	नमक	पानी	जग	बेलन	खीर	लोरी	बोतल

- **खाने की चीज़ों के नाम लिखिए –**

पढ़िए और लिखिए

- साहिल ने माला बनाई हैं।

- अखबार में खबर आई है।

- पानी बरस रहा है।

- माला खेत में काम कर रही है।

शिक्षक-निर्देश — शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। शिक्षार्थियों को वाक्य पढ़ने एवं देखकर लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।

फूलों की माला

फूलों की माला बनाने में राजू अपनी माँ की सहायता कर रहा था। वह एक-एक करके फूल अपनी माँ को देता गया और संख्या बोलता गया।

10 फूलों की एक माला यानी, हर माला में 10 फूल। राजू फूल देता गया और माला बनती गई। तो आइए, समझें कि कितने फूलों के बाद एक माला तैयार होती है।

पाँच दहाई 	+	एक इकाई 	=	**50 + 1 = 51** **इक्यावन**
पाँच दहाई 	+	दो इकाई 	=	**50 + 2 = 52** **बावन**
पाँच दहाई 	+	तीन इकाई 	=	**50 + 3=53** **तिरेपन**
पाँच दहाई 	+	चार इकाई 	=	**50 + 4=54** **चौवन**

पाँच दहाई 	+	पाँच इकाई 	=	**50 + 5 = 55** **पचपन**
पाँच दहाई 	+	छह इकाई 	=	**50 + 6 = 56** **छप्पन**
पाँच दहाई 	+	सात इकाई 	=	**50 + 7 = 57** **सत्तावन**
पाँच दहाई 	+	आठ इकाई 	=	**50 + 8 = 58** **अट्ठावन**
पाँच दहाई 	+	नौ इकाई 	=	**50 + 9=59** **उनसठ**
पाँच दहाई 	+	एक दहाई 	=	**50 +10 = 60** **साठ**

100 तक गिनती

60+1	=	61
60+2	=	62
60+3	=	63
60+4	=	64
60+5	=	65
60+6	=	66
60+7	=	67
60+8	=	68
60+9	=	69
60+10	=	70

70+1	=	71
70+2	=	72
70+3	=	73
70+4	=	74
70+5	=	75
70+6	=	76
70+7	=	77
70+8	=	78
70+9	=	79
70+10	=	80

80+1	=	81
80+2	=	82
80+3	=	83
80+4	=	84
80+5	=	85
80+6	=	86
80+7	=	87
80+8	=	88
80+9	=	89
80+10	=	90

90+1	=	91
90+2	=	92
90+3	=	93
90+4	=	94
90+5	=	95
90+6	=	96
90+7	=	97
90+8	=	98
90+9	=	99
90+10	=	100

▪ खाली स्थानों में सही क्रम में संख्या लिखिए –

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11		13	14			17			20
21			24						
					36				
		43						49	
	52				56				
61			64			67		69	
		73							80
			84				88		
91		93			96				100

जोड़िए

70	56	46	62
+ 12	+ 13	+ 12	+ 36
____	____	____	____

- जब इकाइयों का जोड़ दस से ज़्यादा होता है तो दस इकाइयों की दहाई बनाकर दहाइयों में जोड़ लेते हैं।

जैसे -

```
  1
 46
+27
---
 73
```

6 इकाई + 7 इकाई मिलकर हुई

13 इकाई मतलब | 1 दहाई | 3 इकाई |

जोड़िए

75	37	55	28
+ 19	+ 46	+ 26	+ 25
____	____	____	____
65	36	38	39
+ 27	+ 54	+ 45	+ 24
____	____	____	____

■ घटाइए

75	38	86	47
- 24	- 12	- 24	- 13
____	____	____	____

जब हमारे पास इकाइयाँ कम होती हैं तो हम दहाइयों को इकाइयों में बदल लेते हैं।

जैसे - 54 [10] [10] [10] [10] [10] ●●

या

54 [10] [10] [10] [10] ●●●●●●

जैसे - 54 (4)(14) - 2 6 = 28

4 में से 6 को घटाया नहीं जा सकता है। इसके लिए 5 दहाइयों में 1 दहाई लेकर 10 इकाइयों में बदल लेते हैं।अब हमारे पास 4 दहाइयाँ तथा 14 इकाइयाँ हैं। 14 इकाइयाँ में से 6 इकाई घटाने पर 8 इकाई बचेंगी। 4 दहाइयों में से 2 दहाइयों घटाने पर 2 दहाइयाँ बचेंगी।

■ घटाइए

76	53	32	65
- 38	- 27	- 15	- 28
____	____	____	____
96	88	40	54
- 68	- 39	- 27	- 28
____	____	____	____

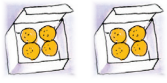
- **विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बच्चों को लड्डू के डिब्बे बाँटे गए। एक डिब्बे में चार लड्डू आ सकते हैं। आइए, पता लगाते हैं कि 10 बच्चों को डिब्बे देने हैं तो कितने लड्डू चाहिए?**

1 बच्चे को मिलेंगे  यानी 1 डिब्बा 4 लड्डुओं का

1 बार 4 या 1 गुणा 4

या $1 \times 4 = 4$ लड्डू

---

2 बच्चों को मिलेंगे  यानी 2 डिब्बे 4 लड्डुओं के

$4 + 4$

2 बार 4 या 2 गुणा 4

या $2 \times 4 = 8$ लड्डू

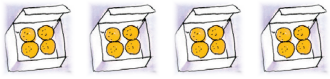
---

3 बच्चों को मिलेंगे  यानी 3 डिब्बे 4 लड्डुओं के

$4 + 4 + 4 = 3$ बार 4

या 3 गुणा $4 = 3 \times 4 = 12$ लड्डू

---

4 बच्चों को मिलेंगे  यानी 4 डिब्बे 4 लड्डुओं के

$4 + 4 + 4 + 4 = 4$ बार 4

या 4 गुणा $4 = 4 \times 4 = 16$ लड्डू

बताइए, 7 बच्चों को कितने लड्डू मिलेंगे?

4 + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ = ☐ बार ☐

या ☐ गुणा ☐ = ☐ × ☐ = ☐ लड्डू

10 बच्चों को कितने लड्डू मिलेंगे?

4 + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐

= ☐ बार ☐ = ☐ गुणा ☐ = ☐ × ☐ = ☐ लड्डू

गुणा कीजिए

5	4	5	3
× 4	× 3	× 5	× 4
____	____	____	____

आइए, थैले गिनें

1 बंडल 100 थैलों का  या 1 बार 100 या	1× 100 = 100 थैले
2 बंडल 100 थैलों का  या 2 बार 100 या	2× 100 = 200 थैले
	3 × 100 = 300 थैले
	4 × 100 = 400 थैले
	5 × 100 = 500 थैले
	6 × 100 = 600 थैले
	7 × 100 = 700 थैले
	8 × 100 = 800 थैले
	9 × 100 = 900 थैले
	10 × 100 = 1000 थैले

अभ्यास-कार्य

1. दिए गए अक्षर की पहचान कर उन पर घेरा लगाइए -

ओ - ओला आओ

औ - औज़ार औरत

लो - लोटा चलो

2. चित्र में आई चीज़ों के नाम पर घेरा लगाइए -



मटका

ओस

बोतल

नल

3. पढ़िए और लिखिए -

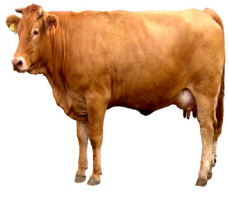
गिलास में पानी है।

_____

4. चित्रों के नाम लिखिए -



_____



_____



_____

5. खाली स्थान भरिए-

पाँच दहाई 	एक इकाई 	=	☐ + ☐ = ☐
पाँच दहाई 	चार इकाई 	=	☐ + ☐ = ☐

6. खाली स्थानों में सही क्रम में संख्या लिखिए-

21			24				28		30
		33			36			39	

7. खाली स्थान भरिए-

90 + 2 = _____

70 + 5 = _____

46	58
+ 27	- 27
_____	_____

8. थैले गिनकर लिखिए-

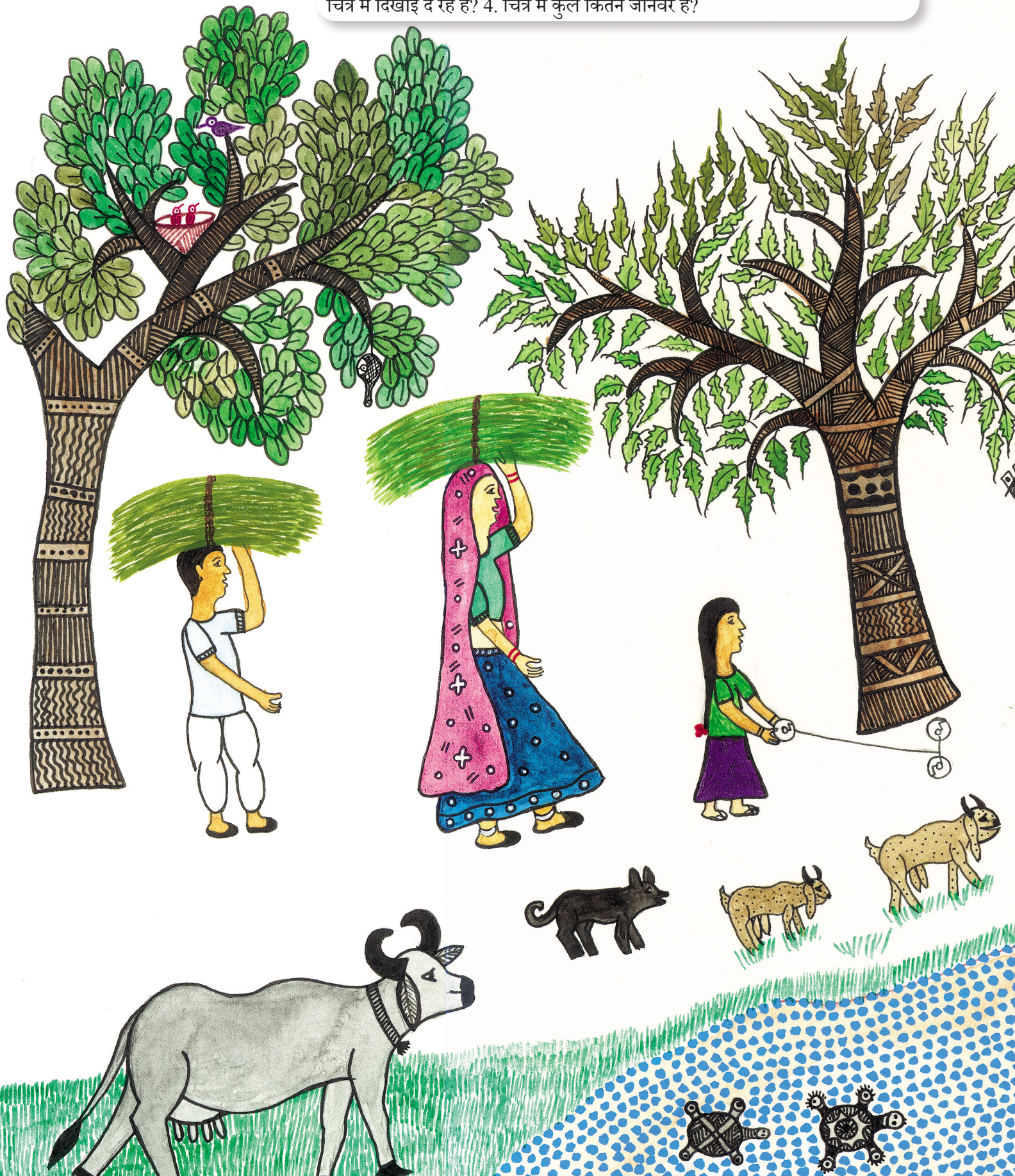
 = 100 थैले

 _____ थैले।

 _____ थैले।

बातचीत के लिए

शिक्षार्थियों के साथ खेत, किसानी आदि से जुड़ी बातों पर चर्चा करें। उनसे पूछें- 1. दिए गए चित्र में कुल कितनी चारपाइयाँ हैं? 2. दिए गए चित्र में कुल कितने घर हैं? 3.कुल कितने लोग इस चित्र में दिखाई दे रहे हैं? 4. चित्र में कुल कितने जानवर हैं?




सुनीता

4 हमारे आस-पास

हम सीखेंगे

ए | ऐ | ज | भ | ड | ड़ | श | ष | ं | ँ

- तीन अंकों वाली संख्याओं का जोड़ और घटा करना
- लंबाई, वज़न और धारिता का मापन करना
- दो अंकीय संख्याओं का एक अंकीय संख्याओं से गुणा
- भाग की समझ बनाना

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए



जंगल



कुआँ



बारिश



झरना

शिक्षक-निर्देश - ऊपर दिए गए शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उन्हें चित्र के आधार पर अनुमान लगाने के अलावा उनके बढ़ते शब्द और अक्षर ज्ञान का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करें।

पढ़िए और लिखिए

ए



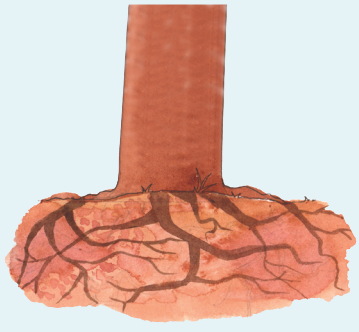
ऐ



मेरी एड़ी में दर्द है।

मैं ऐनक पहनकर पढ़ती हूँ।

ज



भ



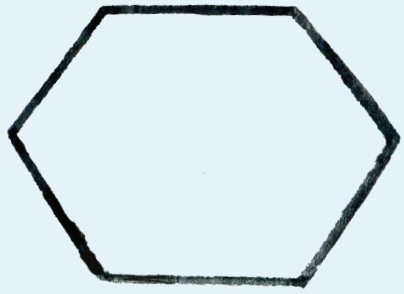
पेड़ जड़ से पानी लेता है।

भालू जंगल में रहता है।

श



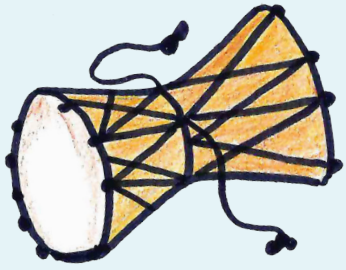
ष



मधुमक्खी शहद बनाती है।

षट्कोण में छह कोण होते हैं।

ड



ड़



डमरू की आवाज़

डम डम डम!

यह लड़का क्या देख रहा है?

जेब	शहद	कोष	पगड़ी
.....	.....	.....	.....

चित्र के बारे में कोई तीन बातें लिखिए-



1. _____
2. _____
3. _____

जोड़िए

741	685	135	437
+ 132	+ 114	+ 232	+ 142
_____	_____	_____	_____

- रवि ने ₹ 435 के चावल तथा ₹ 132 की चीनी खरीदी। उसने दुकानदार को कुल कितने रुपए दिए?

_____

घटाइए

739	735	895	436
– 225	– 123	– 242	– 115
_____	_____	_____	_____

- रानी के पास ₹ 845 थे। उसने ₹ 420 का शहद खरीदा। रानी के पास अब कितने रुपए बचे हैं?

_____

माप-तोल

याद रखें

1 सेंटीमीटर = 10 मिलीमीटर

100 सेंटीमीटर = 1 मीटर

1000 मीटर = 1 किलोमीटर



- दीवार पर ऐसे दो निशान लगाएँ जिनके बीच की दूरी 1 मीटर है।
- अपने मित्र की सहायता से अपनी और अपने मित्र की लंबाई मापकर लिखिए।

सोचिए और खाली स्थान भरिए –



- दो शहरों के बीच की दूरी को हम _____ में मापते हैं।
- कपड़े की लंबाई_____ में मापी जाती है।

खाली स्थान भरिए –



- 3000 मी. = _____ कि.मी.
- 700 से.मी. = _____ मी.
- 40 मि.मी. = _____ से.मी.
- 5 कि.मी. = _____ मी.
- 6 मी. = _____ से.मी.
- 7 से.मी. = _____ मि.मी.

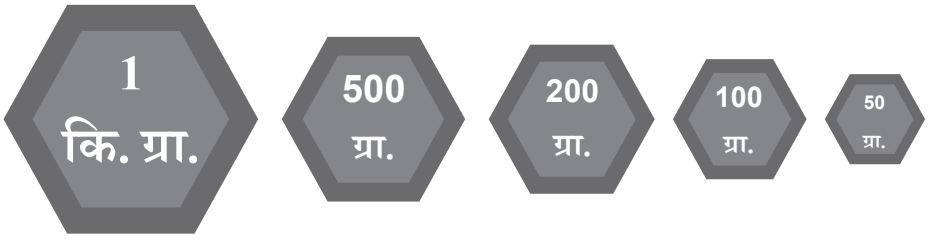
- फातिमा ने पहले दिन कार से 180 कि.मी. तथा दूसरे दिन 182 कि.मी. दूरी तय की। उसने दोनों दिन कुल मिलाकर कितनी दूरी तय की?

- सीमा ने 854 मीटर कपड़े में से 632 मीटर कपड़ा बेच दिया। सीमा के पास अब कितने मीटर कपड़ा बचा है?

याद रखें

1 किलोग्राम	**=**	**1000 ग्राम**
आधा किलोग्राम	**=**	**500 ग्राम**
चौथाई किलोग्राम या पाव किलोग्राम	**=**	**250 ग्राम**

भारी वस्तुओं के वज़न को मापने के लिए बड़े बाट का इस्तेमाल होता है।



खाली स्थान भरिए –

- 4 किलोग्राम = _____ ग्राम
- 7000 ग्राम = _____ किलोग्राम
- 2 किलोग्राम 500 ग्राम = _____ ग्राम

- रामू के एक खेत में 312 किलोग्राम आलू तथा दूसरे खेत में 236 किलोग्राम आलू की फ़सल हुई है। रामू के दोनों खेतों में कुल कितने किलोग्राम पैदावार हुई ? _____

- हरि ने 495 किलोग्राम चावल में से 292 किलोग्राम चावल बेचे। हरि के पास अब कितने चावल बचे हैं? _____

- 5 कि.ग्रा. गेहूँ `100 में आए हैं तो 25 कि.ग्रा. गेहूँ का मूल्य कितना होगा?

_____



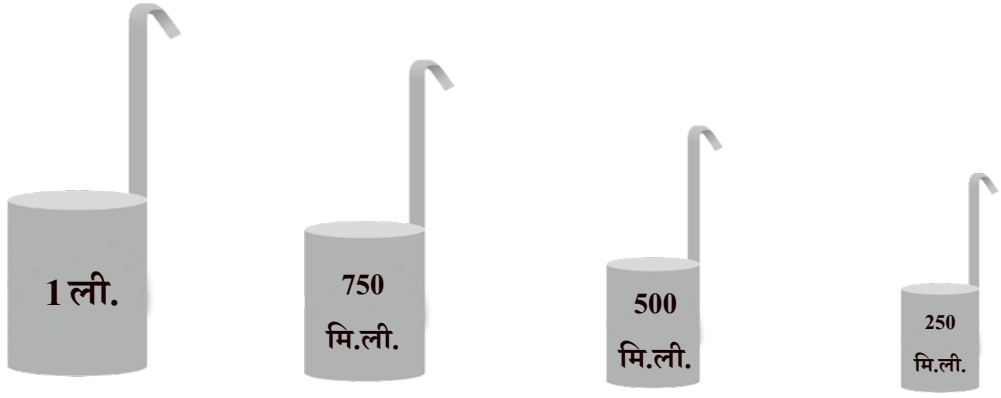
- 25 कि.ग्रा. गेहूँ खरीदने के लिए आप कौन-कौन से और कितने नोट देंगे? _____

- **शैलजा सब्ज़ी खरीदने बाज़ार गई। हिसाब लगाइए, उसने कुल कितने रुपए की सब्ज़ियाँ खरीदीं?**

सब्ज़ी का नाम	दर (रेट) प्रति किलोग्राम	कितनी सब्जी ली (मात्रा)	रुपए चुकाए (मूल्य)
आलू	20	2 किलोग्राम	
प्याज़	15	1 किलोग्राम	
टमाटर	25	3 किलोग्राम	
लौकी	10	आधा किलोग्राम	
		कुल रुपए	

शिक्षक-निर्देश- शिक्षार्थियों को जागरूक करें कि जब वे किसी दुकान से सामान खरीदें तो दुकानदार से उसका बिल ज़रूर लें तथा इसके उपयोग पर चर्चा करें। यदि आपको लगता है कि आपने जो सामग्री खरीदी है वह निर्धारित वज़न से कम है तो आप दुकानदार से तराज़ू के सामग्री वाले पलड़े में बाट और बाट वाले पलड़े में सामग्री रखकर पुन: तौल करा सकते हैं। यदि आपको लगता है कि दुकानदार के बाट निर्धारित मानक के नहीं हैं तो आप नाप तौल विभाग के कार्यालय में इसकी शिकायत कर सकते हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता व्हाटसेप हेल्पलाइन 8800001915 पर मैसेज कर सकते हैं।

दूध मापने के बर्तन



याद रखें

1 किलोलीटर = 1000 लीटर
1 लीटर = 1000 मिलीलीटर
आधा लीटर = 500 मिलीलीटर



जोड़िए

425 लीटर + 223 लीटर = _____

512 लीटर + 327 लीटर = _____

घटाइए

999 लीटर − 322 लीटर = _____

556 लीटर − 235 लीटर = _____

- सुमन ने पहले दिन 132 लीटर तथा दूसरे दिन 242 लीटर दूध बेचा। सुमन ने कुल कितने लीटर दूध बेचा?

- टंकी में 899 लीटर पानी था। 645 लीटर पानी उपयोग में आ गया। अब टंकी में कुल कितना पानी है?

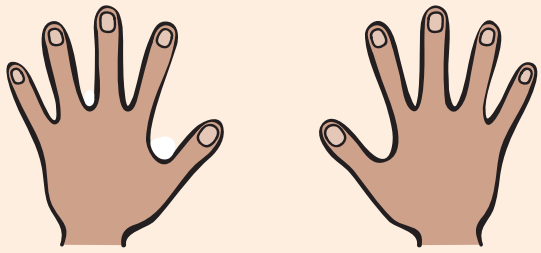
- 1 लीटर की बोतल से 250 मिलीलीटर की कितनी बोतलें भरी जा सकती हैं?

- रजनी को प्रतिदिन 5 मिलीलीटर दवा पीनी है। रजनी को 10 दिनों में कितनी दवा की ज़रूरत होगी?

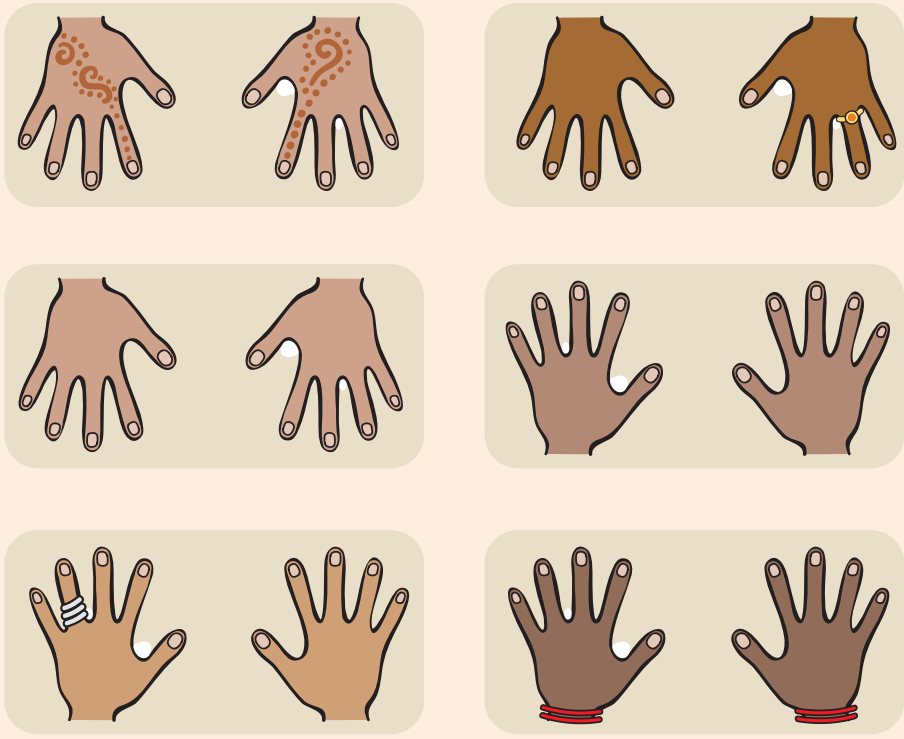




आओ गिनें अपने हाथों की अँगुलियाँ



दो हाथों में कुल अँगुलियाँ $2 \times 5 = 10$



12 बार 5 यानी

12×5 या

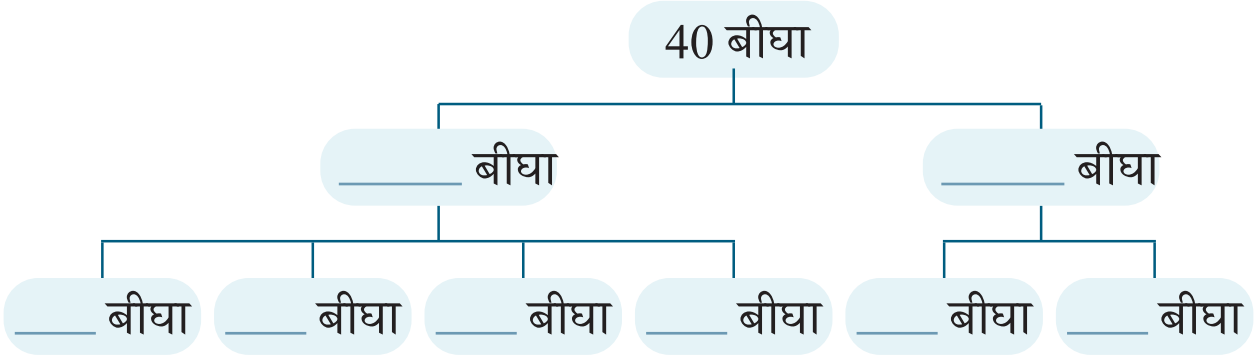
$$\begin{array}{r} 1\ 2 \\ \times\ \ 5 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

गुणा कीजिए–

13	11	14
× 6	× 5	× 8
———	———	———
———	———	———

- एक कमीज में कुल 6 बटन लगे हुए हैं, तो ऐसी 5 कमीज में कितने बटन होंगे?

लीला के पास 40 बीघा ज़मीन है। लीला के दो बच्चे सुशील और शीला हैं। दोनों बच्चों में ज़मीन का बराबर-बराबर बँटवारा हुआ। आगे चित्र में देखते हैं कि अगली पीढ़ी में ज़मीन का बँटवारा कैसे



हुआ-

2) 40 (

4) 20 (

- 40 को 2 बराबर भागों में बाँटा

  40 ÷ 2 =

- 20 को 4 बराबर भागों में बाँटा

शिक्षक-निर्देश— भूमि या किसी अन्य सामग्री के बराबर-बराबर बँटवारा करते हुए भाग की समझ पर चर्चा करें।

अभ्यास-कार्य

1. दिए गए अक्षरों से शब्द लिखिए -

ड - .....

ज - .....

झ - .....

2. दिए गए अक्षरों से वाक्य पूरा कीजिए –

शहर, ऐनक,भालू, डमरू

1. मैं ..... पहनकर पढ़ती हूँ।
2. ..... जंगल में रहते हैं।
3. ..... की आवाज़ डम डम डम ।
4. जंगल ..... से दूर है।

3. चित्र देखकर तीन वाक्य लिखिए -



1. _____
2. _____
3. _____

4. जोड़िए-

741 ग्राम	135 मीटर	425 लीटर
+ 132 ग्राम	+ 232 मीटर	+ 223 लीटर
_____	_____	_____

5. घटाइए-

735 ग्राम	895 मीटर	556 लीटर
- 123 ग्राम	- 242 मीटर	- 235 लीटर
_____	_____	_____

6. खाली स्थान भरिए-

क) 3000 मी. = _____ कि.मी.

ख) 7000 ग्रा. = _____ कि.ग्रा.

ग) 4 कि.ग्रा. = _____ ग्रा.

घ) कपड़े की लंबाई = _____ में मापी जाती है।

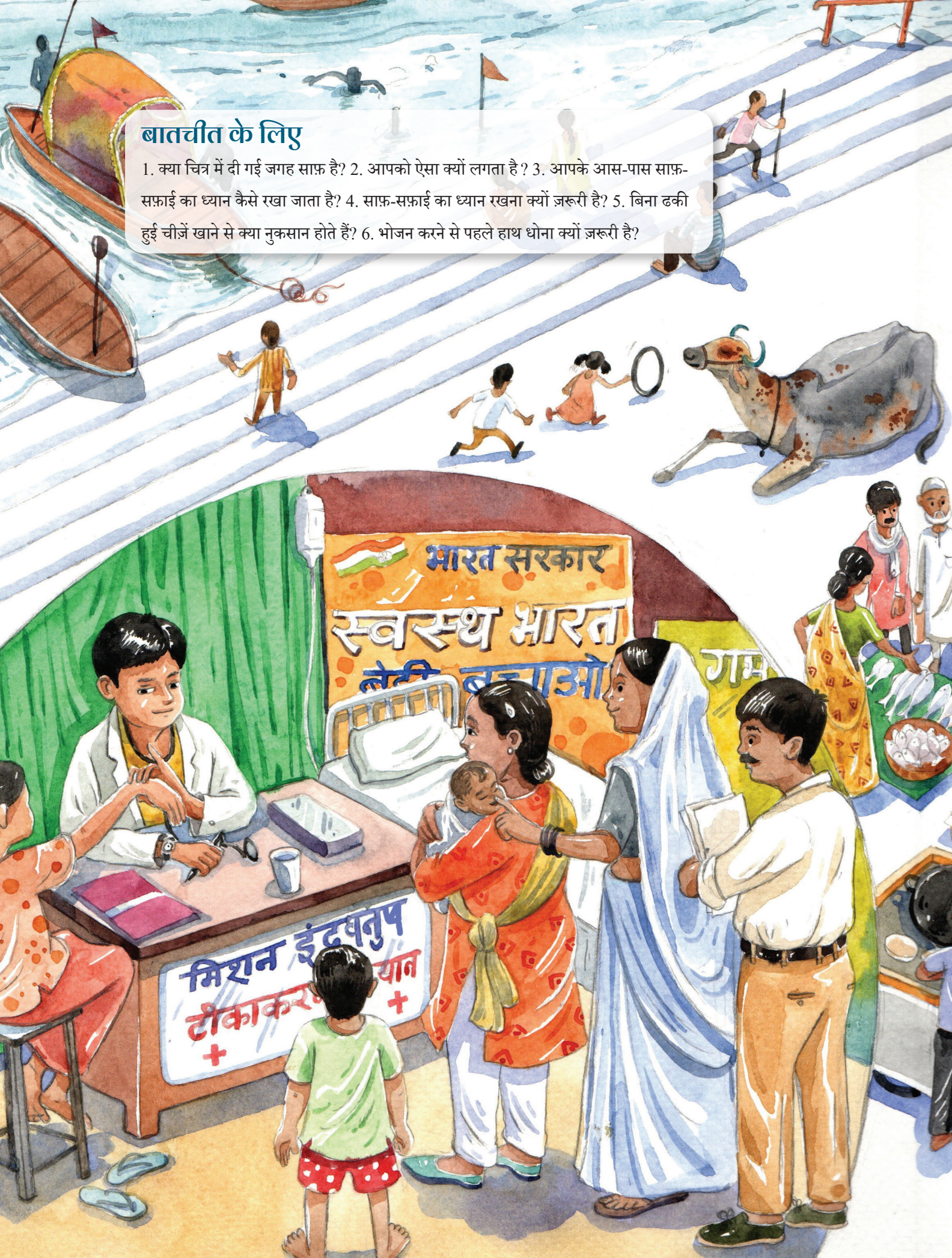
7. गुणा कीजिए -

13	15	16
x 6	x 6	x 6
_____	_____	_____

8. किसना ने 495 किलोग्राम चावल में से 292 किलोग्राम चावल बेचे। किसना के पास अब कितने चावल बचे हैं ?

_____

_____



बातचीत के लिए

1. क्या चित्र में दी गई जगह साफ़ है? 2. आपको ऐसा क्यों लगता है ? 3. आपके आस-पास साफ़-सफ़ाई का ध्यान कैसे रखा जाता है? 4. साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखना क्यों ज़रूरी है? 5. बिना ढकी हुई चीज़ें खाने से क्या नुकसान होते हैं? 6. भोजन करने से पहले हाथ धोना क्यों ज़रूरी है?


रफीक भाई फूल वाले
नमस्कार
नरेन्द्र
चाय वाले
शाला
चाय
हाथ
धोना जरू
SHUBHAM

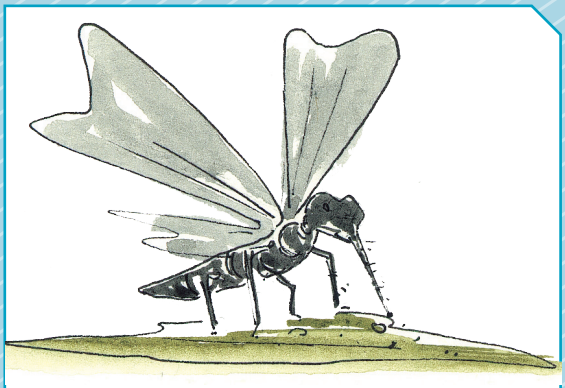
5 खान-पान और सेहत

हम सीखेंगे

उ	ऊ	ह	छ	थ	फ	फ़	ठ

- समय देखना (घंटा, मिनट, सेकेंड)
- समय की इकाईयों को परस्पर बदलना
- डिजिटल अंको की पहचान करना एवं लिखना

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए



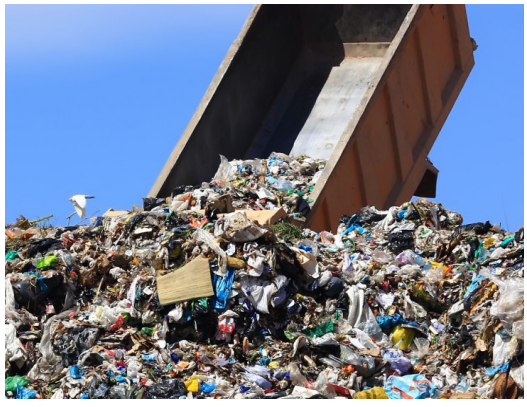
मच्छर



फल



साफ़ हाथ



कूड़ा

पढ़िए और लिखिए

उ



ऊ



उल्लू डाल पर बैठा है।

ऊन से स्वेटर बनता है।

उपज	उड़ना	प्याऊ	ऊँघना
.....	.....	.....	.....

ह



छ



होली के दिन रंगों से रंग मिल जाते हैं।

छाता बहुत सुंदर है।

महीना	कोल्हू	बिछौना	छींकना
.....	.....	.....	.....

थ



थाली में भोजन है।

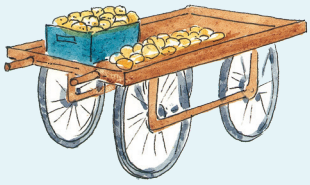
फ



फागुनी, जल्दी खाओ कुल्फ़ी पिघल रही है।

कत्था	थापना	सफ़ाई	फ़ौजी
.....	.....	.....	.....

ठ



ठेले पर सामान है।

ठूँठ	ठिठकना	कठोर	ठोकर
.....	.....	.....	.....

- **कई शब्दों में अक्षरों के जोड़े आते हैं। बॉक्स में दिए गए शब्दों को पहचान कर सही जोड़े वाले शब्द लिखिए–**

मट्ठा	बुड्ढा	पट्टी	सस्ता	अच्छा	रफ़्तार

मच्छर	च्छ	
इकट्ठा	ट्ठा	
गड्ढा	ड्ढा	
मिट्टी	ट्टी	
हफ़्ता	फ़्ता	
बस्ता	स्त	

- **नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। हर शब्द में शामिल अक्षरों को पहचान कर शब्दों को सही जगह पर लिखिए–**

छतरी	फल	डर	ठोकर	हम	मछली	पाठ
	महान	डगर	छोटी	थैला	डाली	

छ	ह	थ	फ	ड	ठ
छतरी मछली छोटी					

संयुक्ताक्षर

कुछ वर्ण ऐसे होते हैं, जिनकी खड़ी पाई या डंडा हटा देने से वे आधे (स्वर रहित) हो जाते हैं, जैसे–

च	च्	-	बच्चा	सच्चा	कच्चा
न	न्	-	न्याय	धन्य	कन्या
प	प्	-	प्यासा	प्याज़	प्याला
म	म्	-	म्यान	अम्माँ	अचम्भा
ल	ल्	-	बिल्ली	दिल्ली	गिल्ली

- **'क' और 'फ' वर्णों को आधा बनाने के लिए उनकी घुंडी काट दी जाती है, जैसे –**

क	क्	-	क्या	क्यों	क्यारी
फ	फ्	-	फ्लू	मुफ़्त	हफ़्ता

- **कुछ वर्णों को आधा बनाने के लिए हल का चिह्न (्) लगाया जाता है, जैसे –**

ट	ट्	-	खट्ठा	चिट्ठी	मिट्टी
द	द्	-	गद्दा	भद्दा	रद्दी
ड	ड्	-	अड्डा	टिड्डा	

- **कभी-कभी 'र' का रूप बदल जाता है, जैसे –**

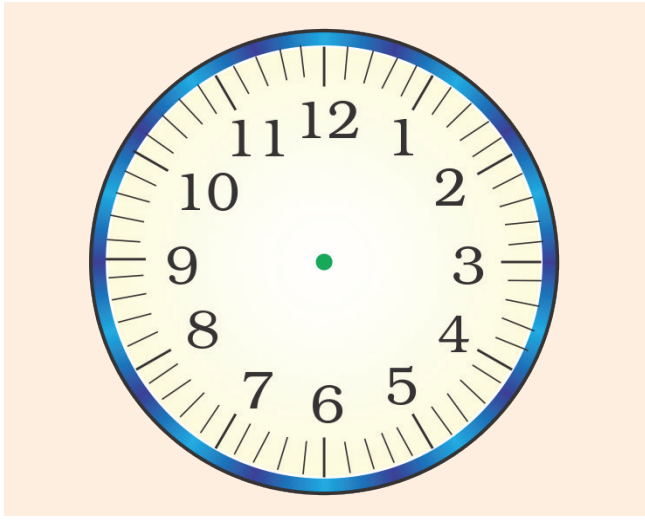
◌ॅ	र्म	-	गर्म	वर्षा	हर्ष
□	ट्र	-	ट्रेन	राष्ट्र	ट्रक
□	क्र	-	क्रोध	ध्रुव	भ्रम

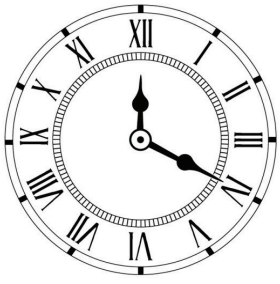
- **मेरे शब्द**

शिक्षक-निर्देश - स्वर रहित अक्षरों के बारे में शिक्षार्थियों को समझाएँ। 'आधा' लिखने का क्या अर्थ है? इस पर चर्चा करें। अक्षर 'र' के ◌् ◌ॅ , अलग-अलग रूप हैं, जिनका उच्चारण भिन्न-भिन्न प्रकार से करते हैं।

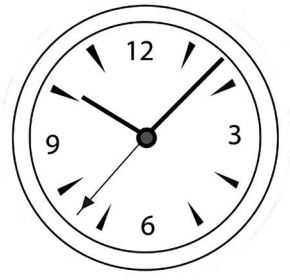
आइए, घड़ी से समय देखना सीखें

आम तौर पर, घड़ी के डायल पर 12 अंक होते हैं। पूरे डायल पर 60 छोटी छोटी लाइनें होती हैं। हर पाँचवी लाइन पर 1 से 12 तक के क्रम में संख्याएं लिखी होती हैं।





दो सुइयों वाली घड़ी



तीन सुइयों वाली घड़ी

सबसे **छोटी** सुई **घंटे** की सुई है। यह घंटे बताती है। घंटे की सुई एक अंक से दूसरे अंक पर एक घंटे में पहुँचती है। यह 12 घंटे में घंटे की सुई एक अंक से दूसरे अंक पर एक घंटे में पहुँचती है। यह 12 घंटे में पूरे डायल का एक चक्कर लगाती है।

24 घंटे या एक दिन में यह पूरे डायल के कितने चक्कर लगाती है?

उससे **लंबी** सुई **मिनट** की है। यह घंटे की सुई से भी तेज़ चलती है और मिनट बताती है।

मिनट की सुई एक अंक से दूसरे अंक पर पाँच मिनट में पहुँचती है। यह 60 मिनट में पूरे डायल का एक चक्कर लगाती है।

सबसे **लंबी** सुई सेकेंड की सुई है यह मिनट की सुई से तेज चलती है और सेकेंड बताती है। यह एक मिनट में पूरे डायल का एक चक्कर लगाती है।

जब मिनट की सुई 12 पर हो तो घंटे की सुई जिस भी अंक पर होगी, उतने ही बजे होंगे। जैसे अगर घंटे की सुई 3 पर और मिनट की सुई 12 पर होगी तो तीन बजेंगे।



इस घड़ी में 3 बजे हैं।



इस घड़ी का समय 2 बजकर 25 मिनट हैं।



इस घड़ी का समय 5 बजकर 15 मिनट और 10 सेकंड हैं।

- **नीचे दी गई घड़ियों को देखकर खाली स्थान में समय लिखिए-**



बारह बजे

12:00



___ बजकर _____ मिनट



___ बजकर _____ मिनट



___ बजकर _____ मिनट

याद रखें -1 घंटे में 60 मिनट होते हैं।

60 मिनट पूरे होने पर एक घंटे का समय होता है। 3 घंटों में कुल कितने मिनट होंगे?

60×3 या $\begin{array}{r} 60 \\ \times\ 3 \\ \hline \end{array}$

डिजिटल घड़ियाँ

डिजिटल घड़ियों में समय डिजिटल अंकों में लिखा होता है। रेलवे स्टेशन, मोबाइल फ़ोन आदि में डिजिटल घड़ियाँ होती हैं, जैसे –



दस बजकर छब्बीस मिनट



तेईस बजकर उनतालीस मिनट

डिजिटल अंकों की बनावट इस प्रकार होती है- 0 1 2 3 4 5 6 7 8 9
डिजिटल अंकों का प्रयोग बैंक, रेलवे स्टेशन, मंडी तथा कैलकुलेटर में किया जाता है।

नीचे दिखाई गई घड़ियों में समय देखकर खाली स्थान में शब्दों में लिखिए –

06:40

_____ बजकर _____ मिनट

07:45

_____ बजकर _____ मिनट

12:45

_____ बजकर _____ मिनट

06:20

_____ बजकर _____ मिनट

अभ्यास-कार्य

1. नीचे दिए गए अक्षरों से शब्द लिखिए -

थै - .....

फी - .....

छ - .....

2. दिए गए शब्दों से वाक्य पूरा कीजिए -

स्वेटर, उल्लू, भोजन

क) थाली में _____ है।

ख) ऊन से _____ बनता है।

ग) _____ डाल पर बैठा है।

3. बॉक्स में दिए गए शब्दों को पहचान कर सही जोड़े वाले शब्द लिखिए -

मट्ठा	बुड्ढा	पट्टी	सस्ते	अच्छा	रफ़्तार

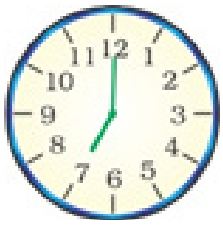
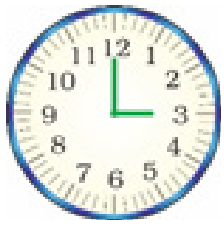
मच्छर	च्छ	_____
इकट्ठा	ट्ठा	_____
गड्ढा	ड्ढा	_____

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए-

ठोकर _____

बिछौना _____

5. नीचे दी गई घड़ियों को देखकर खाली स्थान में समय लिखिए -

क		ख	
इस घड़ी में ..... बज़े हैं।		इस घड़ी में ..... बज़े हैं।	

6. 60 मिनट पूरा होने पर एक घंटे का समय होता है। 3 घंटों में कुल कितने मिनट होंगे ?

_____

_____

_____

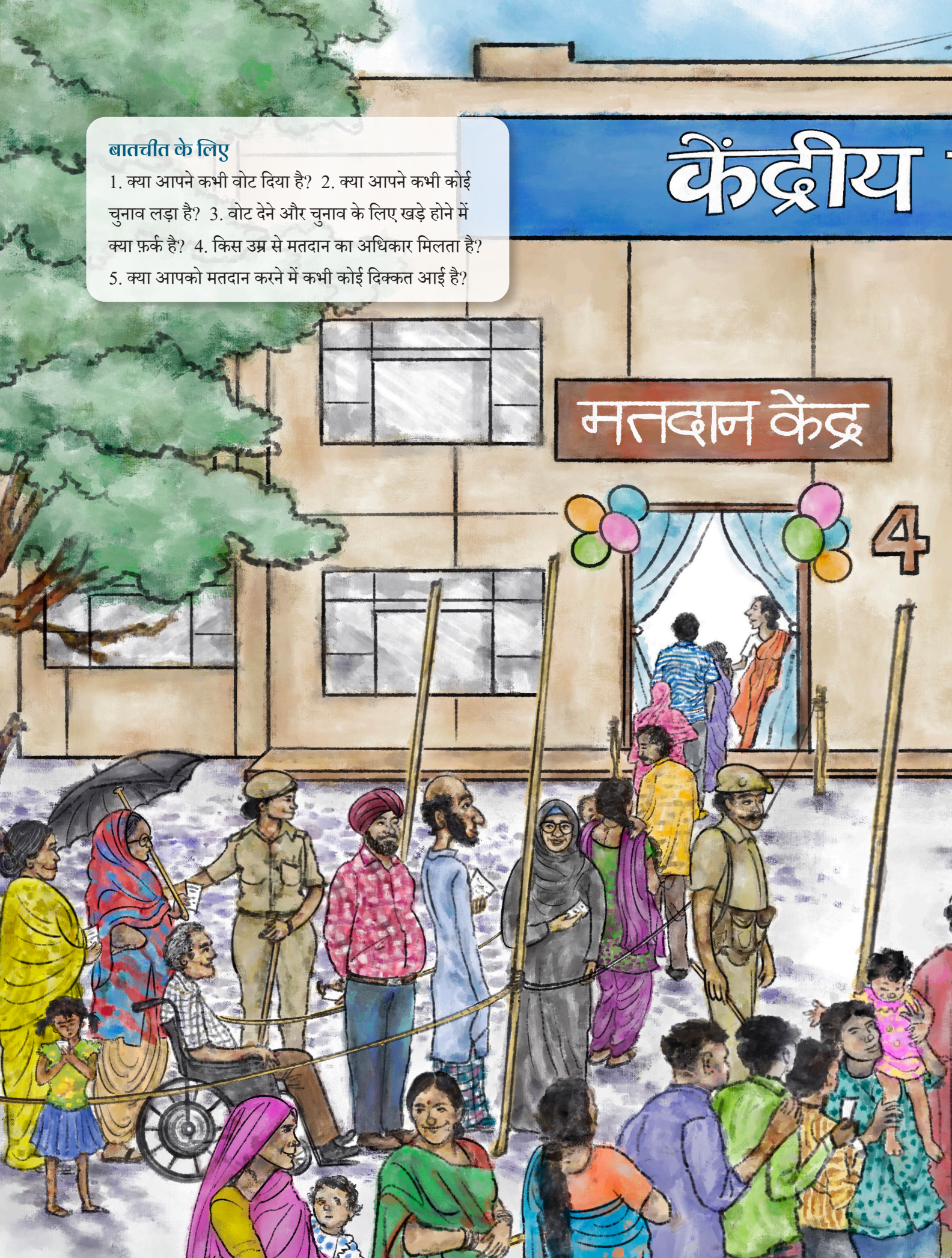
7. खाली स्थान भरिए-

क	10:26	ख	07:45
	..... बजकर ..... मिनट		..... बजकर ..... मिनट

8. खाली स्थान भरिए-

क) मिनट की सुई एक अंक से दूसरे अंक पर _____ मिनट में पहुँचती है।

ख) 24 घंटे में घंटे की सुई पूरे डायल के _____ चक्कर लगाती है।



बातचीत के लिए

1. क्या आपने कभी वोट दिया है? 2. क्या आपने कभी कोई चुनाव लड़ा है? 3. वोट देने और चुनाव के लिए खड़े होने में क्या फ़र्क है? 4. किस उम्र से मतदान का अधिकार मिलता है? 5. क्या आपको मतदान करने में कभी कोई दिक्कत आई है?


विद्यालय
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
5
आपका मतदान लोकतंत्र की जान

6 मतदान

हम सीखेंगे

क्ष घ ध ढ ढ़

- समय की माप का उपयोग करना (12 और 24-घंटे वाली घड़ी)
- कैलेंडर, समय-सारणी और रेल टिकट पर दी गई सूचनाओं की समझ बनाना

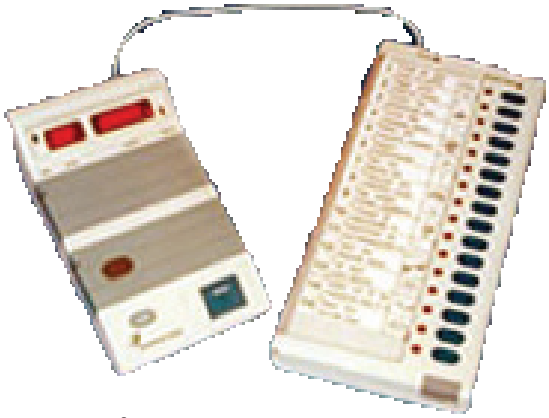
▪ चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए



मतदान केंद्र



मतदान



ई.वी.एम. मशीन



चुनाव अधिकारी

पढ़िए और लिखिए

घ



घड़ी में कितने बजे हैं?

ध



धीरे-धीरे रे मना,धीरे सब कुछ होय,
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।

बाघिन	घाट	धुआँ	धौंकनी
.....	.....	.....	.....

ढ

बगल में छोरा,
नगर में ढिंढोरा

ढ़

पढ़ना लिखना सीखो,
ओ मेहनत करने वालो!

ढाँचा	मेंढक	पढ़ना	पढ़ाना
.....	.....	.....	.....

क्ष



क्षमा बुआ कहानी सुना रही हैं।

क्षमा	राक्षस	शिक्षा	शिक्षित
.....	.....	.....	.....

ध्यान से देखिए, पढ़िए और आपस में चर्चा कीजिए







मेरे शब्द

24 घंटे वाली घड़ी

एक दिन में 24 घंटे होते हैं। आमतौर पर हम 12 घंटे वाली घड़ी से समय देखते हैं। इसकी घंटे की सुई पूरे दिन में पूरी घड़ी के दो चक्कर लगाती है। एक चक्कर में 12 घंटे लगते हैं फिर दूसरा चक्कर शुरू हो जाता है। इस तरह दोनों चक्कर पूरा होने में 24 घंटे लगते हैं। सुबह के समय को AM (ए०एम०) तथा दोपहर के बाद के समय को PM (पी०एम०) भी लिखते हैं। 24 घंटे वाली घड़ी में समय 24 घंटों में लिखा जाता है। दिन में 12 बजने के बाद 13 बजे, 14 बजे तथा आगे 24 बजे तक दिन पूरा होता है।

शिक्षक-निर्देश- 'मतदान' विषय पर बातचीत कीजिए। शिक्षार्थियों से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे– 'वोट देना' के लिए 'वोट पड़ना' आदि।

24 घंटे वाली घड़ी में दोपहर के बाद 5 बजे को 17 बजे (12 में 5 जोड़ कर या 12 के बाद 5 घंटे आगे) लिखा जाता है।



■ **24 घंटे वाली घड़ी को 12 घंटे वाली घड़ी में बदलिए–**

16:15 4 बजकर 15 मिनट

18:35 _____

13:10 _____

20:00 _____

समय-सारिणी

पीयूष काठगोदाम एक्सप्रेस में बैठकर देहरादून से काठगोदाम स्टेशन तक यात्रा करेगा। इस रेलगाड़ी की समय-सारिणी में समय को 24 घंटे वाली घड़ी के हिसाब से दिया गया है।

14120 काठगोदाम एक्सप्रेस समय-सारिणी

क्र. सं.	स्टेशन का नाम	गाड़ी आने का समय	स्टेशन छोड़ने का समय	दूरी (किलोमीटर में)
1.	देहरादून	_____	23:30	_____
2.	हरिद्वार	00:50	1:00	51
3.	काठगोदाम	7:10	_____	335

अब काठगोदाम एक्सप्रेस समय-सारिणी देखकर बताइए-

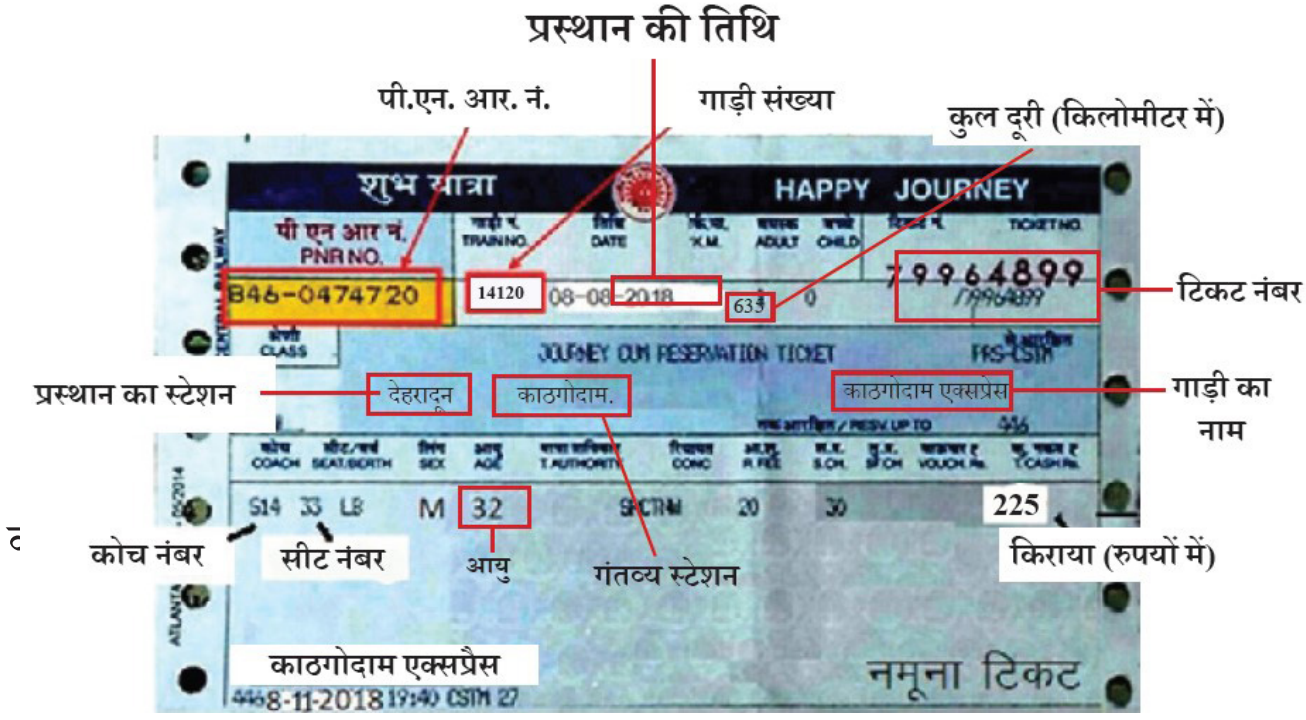
- देहरादून से काठगोदाम स्टेशन की दूरी कितने किलोमीटर है?

  .....

- हरिद्वार से देहरादून कितनी दूर है?

  .....

आइए, पीयूष की रेलगाड़ी की टिकट का नमूना देखें-



- पीयूष की गाड़ी का नाम क्या है? _____
- गाड़ी संख्या क्या है? _____
- कोच नंबर क्या है? _____
- सीट नंबर क्या है? _____

शिक्षक-निर्देश- शिक्षार्थियों को प्रेरित करें कि वे 24-घंटे वाली घड़ी और 12-घंटे वाली घड़ी में समय बता सकें तथा 24-घंटे वाली घड़ी में दिए गए समय को 12-घंटे वाली घड़ी के समय में बदल सकें। रेलवे टाइम टेबल के उपयोग से अभ्यास करने के अवसर दें।

कैलेंडर

एक साल में 12 महीने होते हैं। कुछ महीने 30 दिन के होते हैं, कुछ 31 दिन के। फरवरी का महीना 28 या 29 दिन का होता है। साल का पहला महीना जनवरी और आखिरी महीना दिसंबर होता है। एक साल में 365 दिन होते हैं। जिस साल फरवरी माह 29 का होता है, उस साल में 366 दिन होते हैं।

2024

जनवरी

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

फ़रवरी

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29		

मार्च

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

अप्रैल

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

मई

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

जून

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

जुलाई

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

अगस्त

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

सितम्बर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

अक्टूबर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

नवंबर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

दिसम्बर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

नीचे वर्ष 2024 के फरवरी महीने का कैलेंडर दिया गया है, इसे पूरा कीजिए–

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	बृहस्पतिवार	शुक्रवार	शनिवार
				1		3
	5		7		9	
			14			17
18				22		
				29		

कैलेंडर देखकर बताइए–

- इस महीने में कितने रविवार हैं?
- 17 फरवरी को कौन-सा दिन है?
- फरवरी में चौथे शनिवार को कौन-सी तारीख है?
- क्या 19 फरवरी को सोमवार है?

शिक्षक-निर्देश- शिक्षार्थियों को प्रेरित करें कि वे कैलेंडर की मदद से दी गई दो तारीखों के बीच के दिनों का हिसाब लगा सकें।

अभ्यास-कार्य

1. दिए गए अक्षरों से शब्द लिखिए-

घ- .....

क्ष- .....

ढ- .....

ध- .....

2. दिए गए उचित शब्दों से वाक्य पूरा कीजिए -

क) पढ़ना _____ सीखो। **(लिखना/दौड़ना)**

ख) ओ _____ करने वालो ।**(मेहनत/रहमत)**

ग) वोट से _____ ताकतवर होता है।**(लोकतंत्र/ अधिनायक तंत्र)**

3. चित्र देखकर तीन वाक्य लिखिए –



1. _____
2. _____
3. _____

4. खाली स्थान भरिए-

क) एक दिन में _____ घंटे होते हैं।

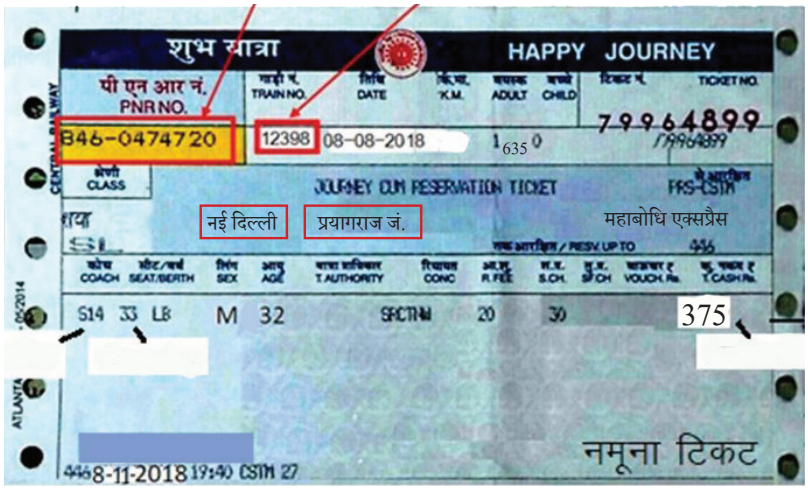
ख) घंटे की सुई पूरे दिन में पूरी घड़ी के _____ चक्कर लगाती है।

5. 24 घंटे वाली घड़ी में दिखाए गए समय को 12 घंटे वाली घड़ी में बदलिए –

क) 16:15 _____ बज़कर _____ मिनट

ख) 13:10_____ बज़कर _____ मिनट

6. पीयूष की रेलगाड़ी की टिकट का नमूना देखकर खाली स्थान भरिए -



क) गाडी संख्या क्या है ? _____

ख) सीट नंबर क्या है ? _____

7. खाली स्थान भरिए-

क) एक साल में _____ महीने होते हैं।

ख) एक साल में _____ दिन होते हैं।

7 कानूनी जानकारी

हम सीखेंगे

त्र श्र ण ऋ ज्ञ

- बैंक संबंधित फ़ॉर्म पढ़ना, समझना और भरना (चेक, जमा पर्ची, नकद निकासी पर्ची)
- कानून से जुड़ी शब्दावली को समझना और पढ़ना
- साइबर सुरक्षा के बारे में जानना

▪ चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए



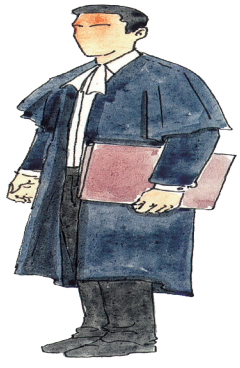
पुलिस थाना



अदालत



कानून



वकील

पढ़िए और लिखिए

त्र



चित्रा अपनी बुआ को पत्र लिख रही है।

श्र



श्रीमती और श्री श्रेष्ठ, शादी में आमंत्रित हैं।

त्र श्र

त्रिकोण	त्रुटि	आश्रम	श्रावण
.....	.....	.....	.....

ण



नेता जी भाषण दे रहे हैं।

ऋ



ट्रक खरीदने के लिए मैंने बैंक से ऋण लिया।

त्रिकोण	पूर्णिमा	ऋषभ	कृषक
.....	.....	.....	.....

ज्ञ



ज्ञानी	ज्ञान	अज्ञात	अज्ञान
.....	.....	.....	.....

मेरे शब्द

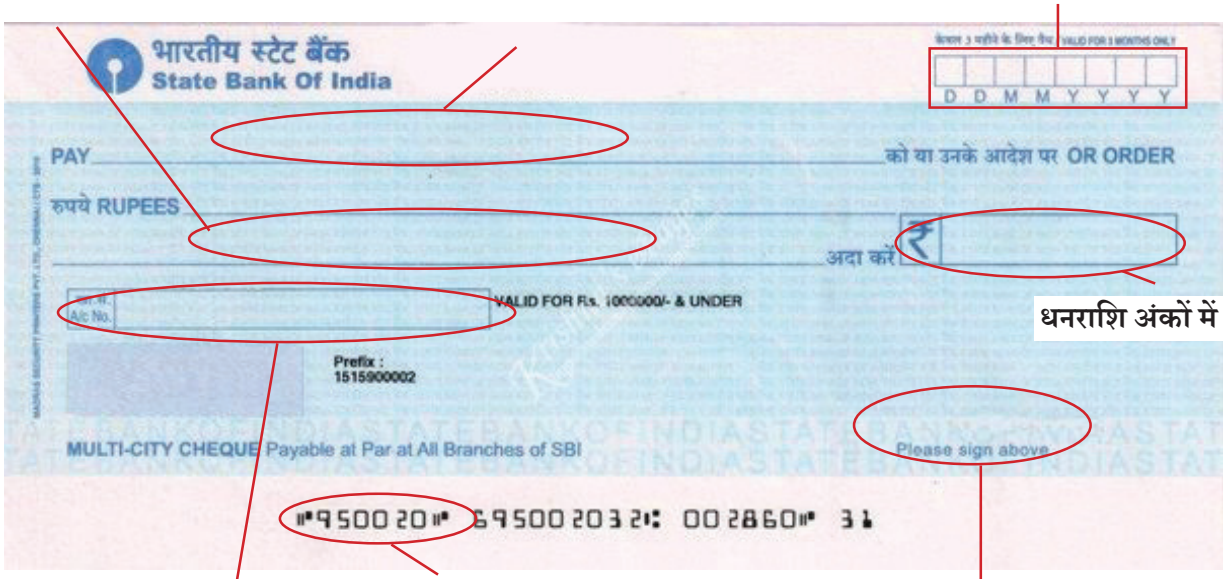
शिक्षक-निर्देश- 'कानूनी जानकारी' विषय पर बातचीत कीजिए। शिक्षार्थियों से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे— 'कानूनी दाँव-पेंच' के लिए 'कानूनी लफड़ा' आदि।

- **बैंक खाते से स्वयं रुपए निकालने अथवा किसी अन्य को भुगतान करने के लिए चैक का उपयोग किया जा सकता है। चित्र को देखकर चैक भरने का अभ्यास कीजिए –**

धनराशि शब्दों में

प्राप्तकर्ता का नाम (यदि किसी दूसरे व्यक्ति को पैसा देना है)

चैक में रकम भरने की तिथि



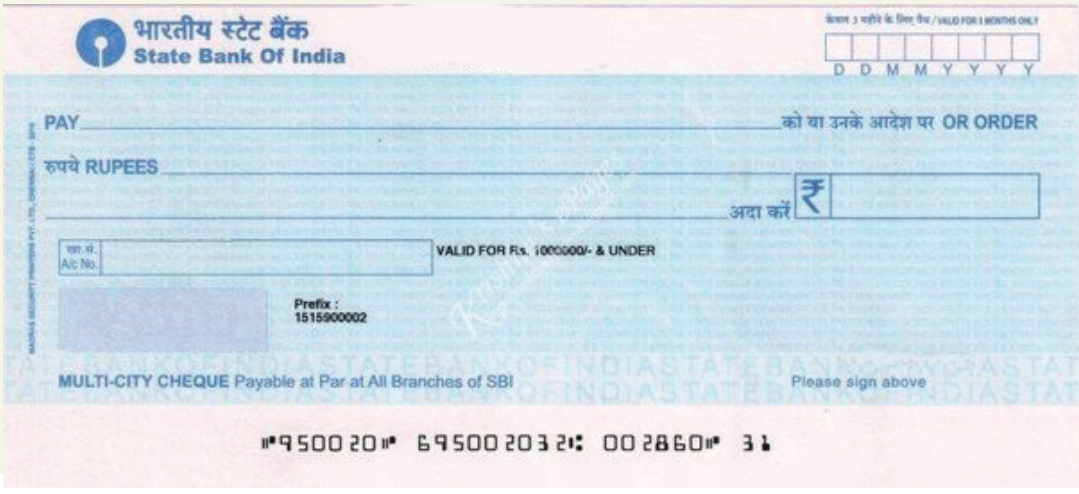
धनराशि अंकों में

बैंक द्वारा दी गई खाता संख्या

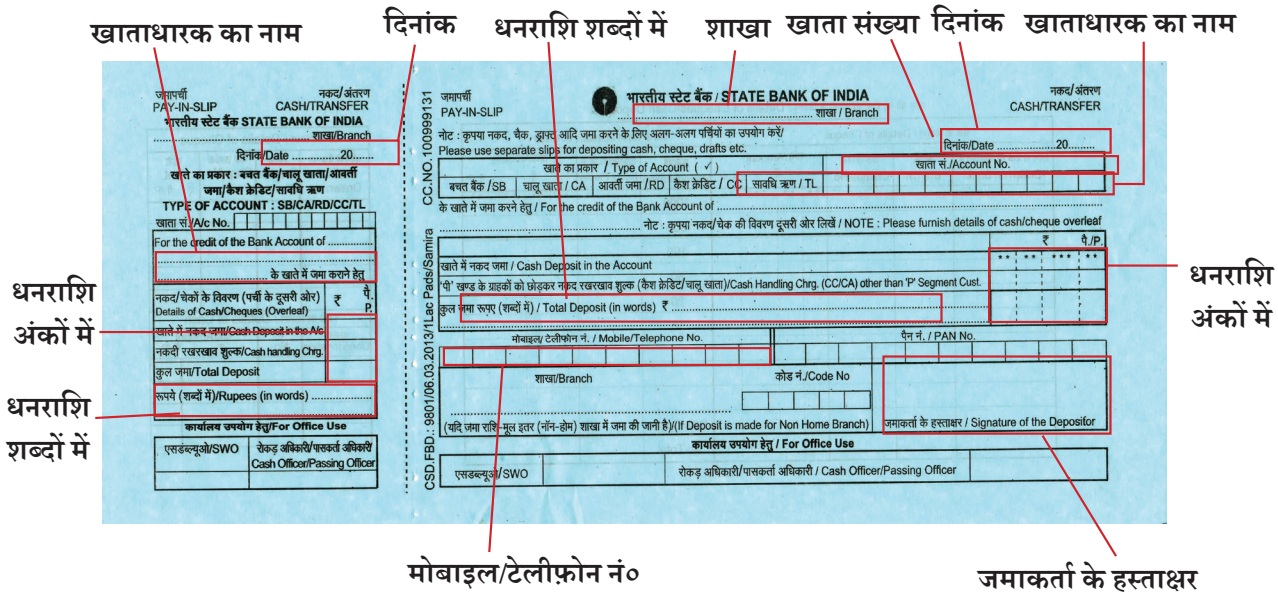
चैक संख्या

खाताधारक के हस्ताक्षर

- **रूबीना को `7300/- का चैक रवि को देना है। चेक भरने में रूबीना की मदद कीजिए –**

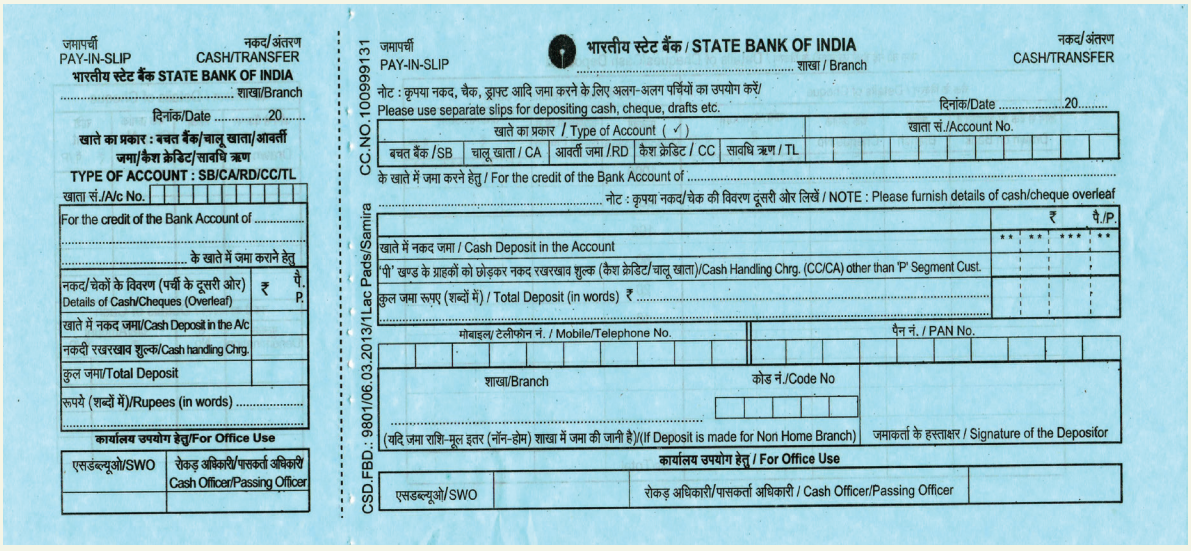


- बैंक खाते में पैसे जमा करने के लिए एक जमा पर्ची भरनी होती है। चित्र को देखकर जमा पर्ची को समझिए–



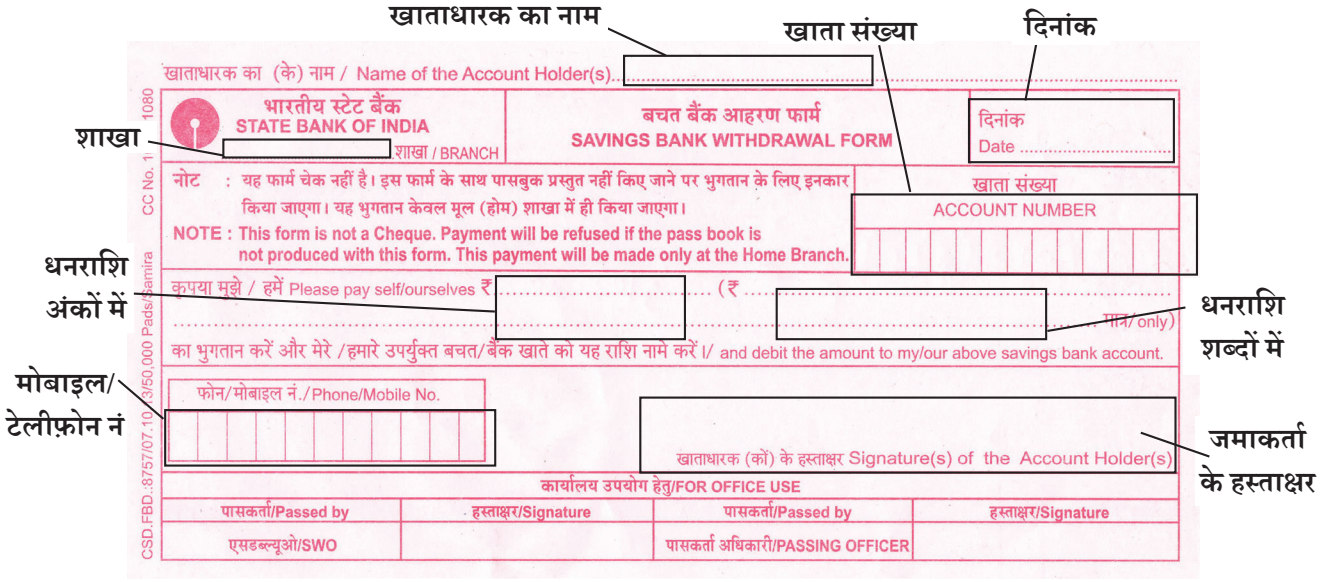
- जॉन को बैंक में `1700/- जमा करने हैं। पैसे जमा करने की पर्ची भरने में जॉन की मदद कीजिए–

पैसे जमा करने की पर्ची



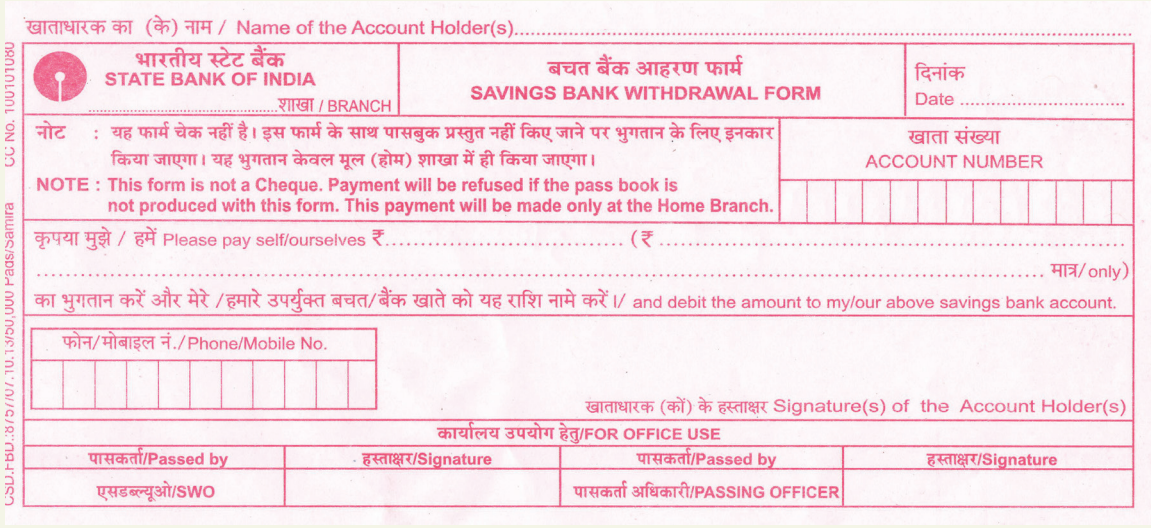
- जैसे बैंक खाते में पैसा जमा करने के लिए पर्ची भरनी होती है वैसे ही बैंक खाते से पैसे निकालने के लिए भी एक पर्ची भरनी होती है। चित्र को देखकर पर्ची को समझिए –

पैसा निकालने की पर्ची



- रवीना को बैंक से ` 2000/- निकालने हैं। पैसे निकालने की पर्ची भरने में रवीना की मदद कीजिए –

पैसे निकालने की पर्ची



अभ्यास-कार्य

1. दिए गए अक्षरों से शब्द लिखिए –

त्र – .....

श्र – .....

ऋ – .....

ज्ञ – .....

2. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए –

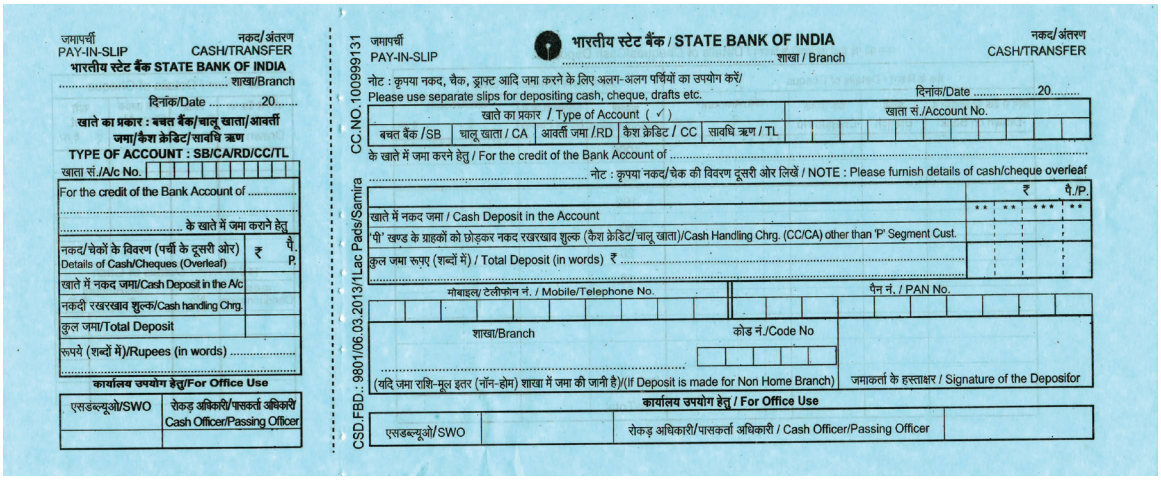
आज्ञा - _____

पूर्णिमा - _____

चित्र - _____

श्रीमती- _____

3. पर्ची देखकर तीन वाक्य लिखिए –



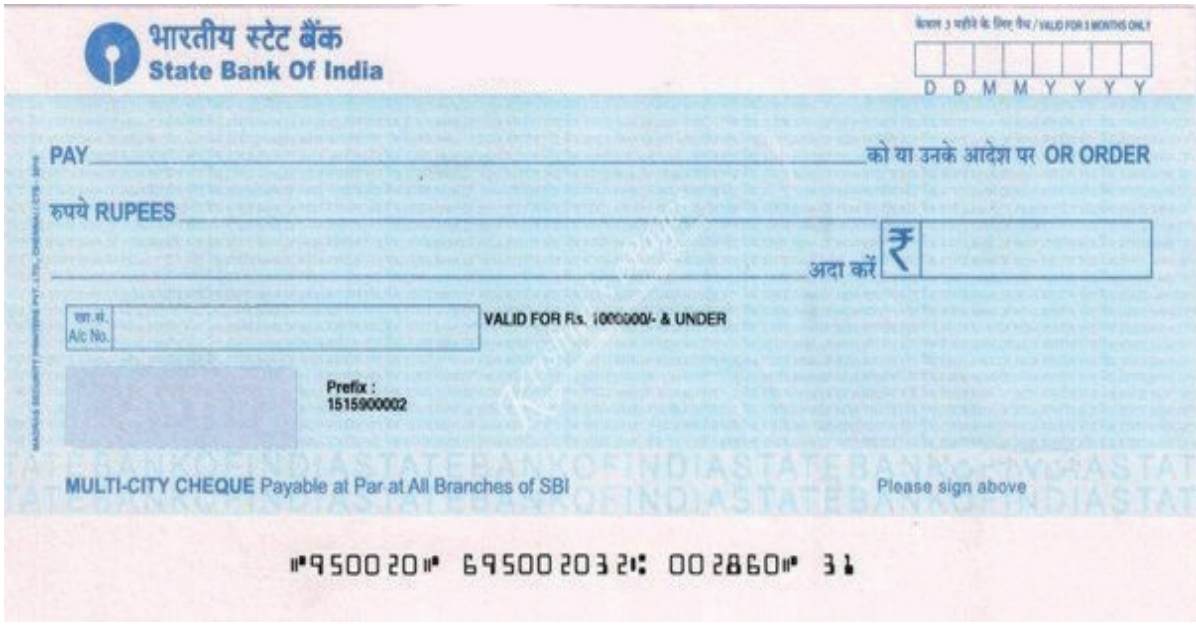
जमापर्ची PAY-IN-SLIP नकद/अंतरण CASH/TRANSFER
भारतीय स्टेट बैंक STATE BANK OF INDIA
..... शाखा/Branch
दिनांक/Date .....20.....
खाते का प्रकार : बचत बैंक/चालू खाता/आवर्ती जमा/कैश क्रेडिट/सावधि ऋण
TYPE OF ACCOUNT : SB/CA/RD/CC/TL
खाता सं./A/c No.
For the credit of the Bank Account of .....
..... के खाते में जमा कराने हेतु
नकद/चेकों के विवरण (पर्ची के दूसरी ओर) Details of Cash/Cheques (Overleaf) ₹ पै. P.
खाते में नकद जमा/Cash Deposit in the A/c
नकदी रखरखाव शुल्क/Cash handling Chrg.
कुल जमा/Total Deposit
रूपये (शब्दों में)/Rupees (in words) .....
कार्यालय उपयोग हेतु/For Office Use
एसडब्ल्यूओ/SWO | रोकड़ अधिकारी/पासकर्ता अधिकारी/Cash Officer/Passing Officer

CC.NO.100999131
CSD.FBD.: 9801/06.03.2013/1Lac Pads/Samira

जमापर्ची PAY-IN-SLIP भारतीय स्टेट बैंक / STATE BANK OF INDIA ..... शाखा / Branch नकद/अंतरण CASH/TRANSFER
नोट : कृपया नकद, चेक, ड्राफ्ट आदि जमा करने के लिए अलग-अलग पर्चियों का उपयोग करें/
Please use separate slips for depositing cash, cheque, drafts etc.
दिनांक/Date .....20.....
खाते का प्रकार / Type of Account (✓) | बचत बैंक /SB | चालू खाता / CA | आवर्ती जमा /RD | कैश क्रेडिट / CC | सावधि ऋण / TL | खाता सं./Account No.
के खाते में जमा करने हेतु / For the credit of the Bank Account of .....
..... नोट : कृपया नकद/चेक की विवरण दूसरी ओर लिखें / NOTE : Please furnish details of cash/cheque overleaf
₹ पै./P.
खाते में नकद जमा / Cash Deposit in the Account
'पी' खण्ड के ग्राहकों को छोड़कर नकद रखरखाव शुल्क (कैश क्रेडिट/चालू खाता)/Cash Handling Chrg. (CC/CA) other than 'P' Segment Cust.
कुल जमा रूपए (शब्दों में) / Total Deposit (in words) ₹ .....
मोबाइल/ टेलीफोन नं. / Mobile/Telephone No.
पैन नं. / PAN No.
शाखा/Branch
कोड नं./Code No
(यदि जमा राशि-मूल इतर (नॉन-होम) शाखा में जमा की जानी है)/(If Deposit is made for Non Home Branch)
जमाकर्ता के हस्ताक्षर / Signature of the Depositor
कार्यालय उपयोग हेतु / For Office Use
एसडब्ल्यूओ/SWO | रोकड़ अधिकारी/पासकर्ता अधिकारी / Cash Officer/Passing Officer

1. _____
2. _____
3. _____

4. आपको ₹ 7300 का चैक रवि को देना है। रवि के लिए चैक भरकर तैयार कीजिए –


भारतीय स्टेट बैंक
State Bank Of India

D D M M Y Y Y Y

PAY _____ को या उनके आदेश पर OR ORDER

रुपये RUPEES _____

अदा करें ₹

खा.सं. A/c No.

VALID FOR Rs. 1000000/- & UNDER

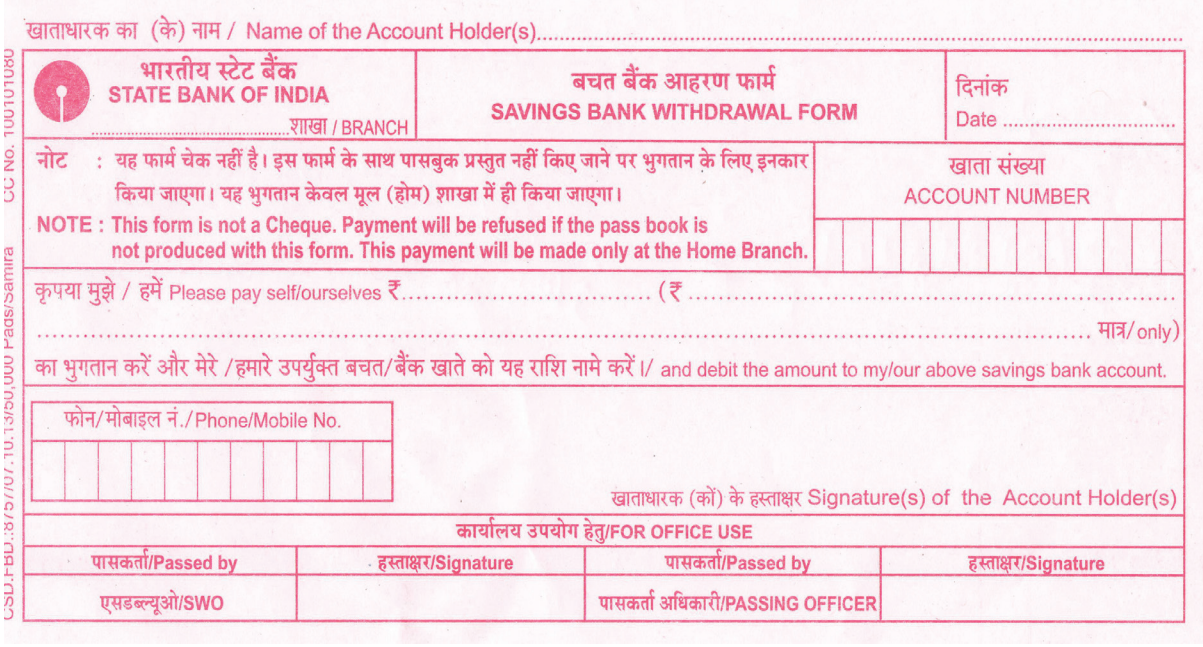
Prefix : 1515900002

MULTI-CITY CHEQUE Payable at Par at All Branches of SBI

Please sign above

⑈950020⑈ 695002032⑆ 002860⑈ 31

5. आपको बैंक से ₹ 2000 निकालने हैं। पैसे निकालने की पर्ची भरकर तैयार कीजिए –


खाताधारक का (के) नाम / Name of the Account Holder(s).....

भारतीय स्टेट बैंक
STATE BANK OF INDIA
.....शाखा / BRANCH

बचत बैंक आहरण फार्म
SAVINGS BANK WITHDRAWAL FORM

दिनांक
Date .....

नोट : यह फार्म चेक नहीं है। इस फार्म के साथ पासबुक प्रस्तुत नहीं किए जाने पर भुगतान के लिए इनकार किया जाएगा। यह भुगतान केवल मूल (होम) शाखा में ही किया जाएगा।

NOTE : This form is not a Cheque. Payment will be refused if the pass book is not produced with this form. This payment will be made only at the Home Branch.

खाता संख्या
ACCOUNT NUMBER

कृपया मुझे / हमें Please pay self/ourselves ₹..... (₹ .....

..... मात्र/only)

का भुगतान करें और मेरे /हमारे उपर्युक्त बचत/बैंक खाते को यह राशि नामे करें I/ and debit the amount to my/our above savings bank account.

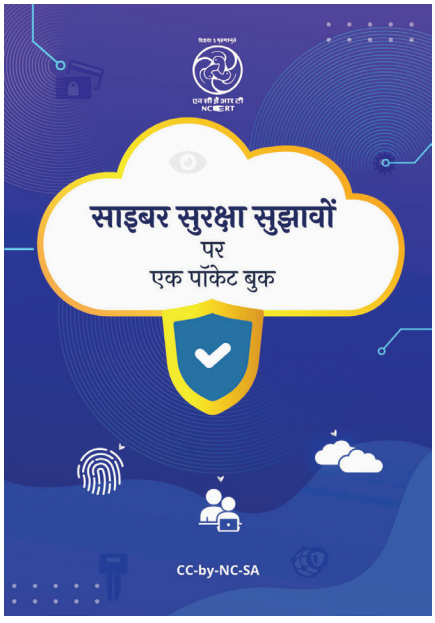
फोन/मोबाइल नं./Phone/Mobile No.

खाताधारक (कों) के हस्ताक्षर Signature(s) of the Account Holder(s)

कार्यालय उपयोग हेतु/FOR OFFICE USE

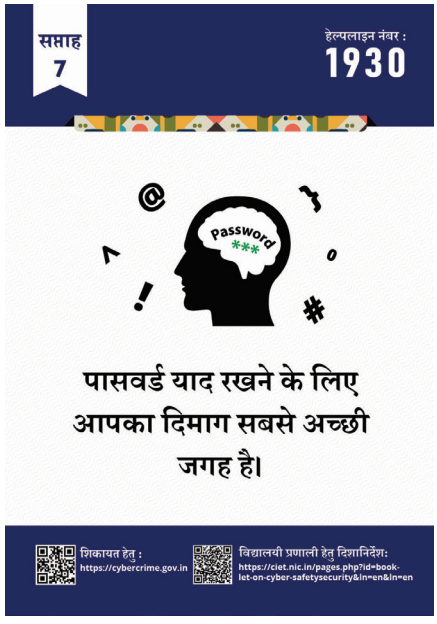
पासकर्ता/Passed by	हस्ताक्षर/Signature	पासकर्ता/Passed by	हस्ताक्षर/Signature
एसडब्ल्यूओ/SWO		पासकर्ता अधिकारी/PASSING OFFICER	

साइबर सुरक्षा संबंधित जानकारी









शिक्षक-निर्देश— दिए गए चित्रों के माध्यम से सहभागियों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक करें। सहभागियों के साथ 'नेटिकेट' (इंटरनेट शिष्टाचार) के व्यवहार के बारे में बातचीत करें। इस विषय में और अधिक जानकारी के लिए दिए गए लिंक का भी प्रयोग भी कर सकते हैं https://ciet.nic.in/flipbook/200-COPY-Cyber-Safety-Pocket-Book-HINDI-W-3-5inch-X-H-5inch/index.html#page=1

सा विद्या या विमुक्तये

SCERT UK

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखंड

State Council of Educational Research and Training Uttarakhand

